शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 313 | गुवाहाटी | गुरुवार, 13 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मार्च 2025 तक देश के सभी गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल श्रेणी में लाने ... पेज 2
अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं के स्थान सर्वेक्षण को पूसीरे की मंजूरी पेज 3
हरदोई सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुख पेज 5
34 गेंदों में मैच खत्म, नामीबिया टीम को होना पड़ा शर्मशार पेज 7

कुवैत की इमारत में लगी भीषण आग, 41 भारतीय समेत 49 की मौत, हेल्पलाइन नंबर जारी

पीड़ितों के परिवारों तक हर संभव मदद पहुंचाएं : कांग्रेस

कुवैत। कुवैत में एक इमारत में भीषण आग लग गई। एक स्थीनीय न्यूज एजेंसी के अनुसार इस हादसे में 49 लोगों की मौत हो गई है। खबर है कि मृतकों में से कई भारतीय भी शामिल हैं। जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बेहतर चिकित्सा मुहैया कराने के लिए आश्वस्त किया है। भारतीय दूतावास के अनुसार इस हादसे में 30 से अधिक भारतीय घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में आग लग गई थी। जिस इमारत में यह भीषण आग लगी, उसमें 160 लोग मौजूद थे और सभी एक ही संस्थान में काम करते हैं। संदेह है कि चौकीदार के कमरे में रखे गैस सिलेंडर से लगी थी। बताया गया है कि इन मजदूरों में कई भारत के रहने वाले थे। कुवैत के फॉरेंसिक विभाग के महानिदेशक मेजर जनरल ईद अल-ओवैहान का कहना है कि मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकांश केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के नागरिक थे। मृतकों की उम्र 20 से 50 साल के बीच बताई गई है। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने इसे लेकर हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दूतावास का कहना है कि इस अग्निकांड में भारतीयों की मौत के संबंध में जानकारी हासिल करने के लिए +965-65505246 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। दूतावास की तरफ से हर संभव मदद का एलान किया गया है। उधर कुवैत के आंतरिक मामलों के मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबा ने पुलिस को मंगफ स्थित इमारत के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि इस हादसे के जिम्मेदार कंपनी और बिल्डिंग के मालिक हैं। उन्होंने कुवैत प्रशासन और नगर पालिका को इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि कुवैत में करीब 10 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें से करीब 9 लाख भारतीय वहां काम करते हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुवैत में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया और कहा कि कुवैत में भारतीय दूतावास स्थिति पर नजर रखे हुए है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कुवैत शहर में आग लगने की घटना दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। कुवैत में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और प्रभावितों की सहायता के लिए वहां के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कुवैत में आग की घटना से आहत हूं। इस घटना में 49 लोगों की मौत और 50 लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर है। हमारे राजदूत शिविर में गए हैं। हम आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने इस हादसे -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रबाबू ने चौथी बार ली मुख्यमंत्री पद की शपथ, पवन कल्याण बने डिप्टी सीएम

अमरावती। चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। बतौर सीएम यह नायडू की चौथी पारी है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत कई दिग्गज मौजूद रहे। नायडू सरकार में टीडीपी से 20, जनसेना से दो और भाजपा से एक को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण ने नायडू के बाद शपथ ली। वे राज्य के उपमुख्यमंत्री भी होंगे। इससे पहले मंगलवार को टीडीपी और एनडीए ने नायडू को अपने विधायक दल नेता चुना था। मंगलवार को विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद विजयवाड़ा में टीडीपी, भाजपा, जनसेना गठबंधन के नेताओं ने राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मुलाकात की और सरकार बनाने का -शेष पृष्ठ दो पर

माझी ने ली ओडिशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ, पीएम मोदी-शाह रहे मौजूद

भुवनेश्वर। ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बनी। क्योंझर से विधायक मोहन चरण माझी ने आज भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ केवी सिंह देव और प्रभाती परिदा ने राज्य के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसी के साथ ओडिशा में पहली बार एक सीएम, दो डिप्टी सीएम और 13 मंत्रियों की सरकार बनी। शपथ ग्रहण समारोह शाम 5 बजे शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर में डॉक्टर के घर पर ग्रेनेड से हमला हमलावरों की तलाश में जुटी पुलिस

इंफाल। मणिपुर में तनाव के बीच लगातार हिंसात्मक घटनाएं हो रही है। अभी मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के काफिले पर हमले की जांच पूरी नहीं हुई कि पूर्वी इंफाल जिले के पोरोम्पैट में एक घर पर हमलावरों मे ग्रेनेड से हमला कर दिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार देर शाम हुए इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बता दें कि जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (जेएनआईएमएस अस्पताल) में न्यूरोसर्जन डॉ. एम अमित कुमार के घर पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया है। पुलिस के मुताबिक अज्ञात हमलावरों ने जेएनआईएमएस अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ. एम अमित कुमार के किराए के आवास पर दो हथगोले फेंके। जिसमें एक -शेष पृष्ठ दो पर

बाल विवाह रोकने व छात्राओं को प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार का बड़ा फैसला

10वीं से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक की छात्राओं को मिलेगा मासिक स्टाइपेंड

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि राज्य सरकार *निजुत मोइना* योजना के तहत छात्राओं को मासिक स्टाइपेंड देगी। इस योजना को बुधवार को राज्य की कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी है। राज्य की कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पत्रकार सम्मेलन में कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य छात्राओं में कम उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति को रोकना तथा उन्हें स्नातकोत्तर स्तर तक अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए दाखिला लेने वाली छात्राओं को राज्य सरकार हर महीने स्टाइपेंड देगी। इस योजना के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं कक्षा में दाखिला लेने वाली छात्राओं को एक हजार रुपए का मासिक स्टाइपेंड मिलेगा। वहीं, स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाली छात्राओं को 1250 रुपए -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मुश्किलों के बाद हासिल की हुई सफलता ही असली आनंद देती है।

– **अब्दुल कलाम**

राज्य सरकार के विभाग बंटवारे से टिपरा मोथा नाखुश, शाह से मिलेंगे

अगरतला। त्रिपुरा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है। त्रिपुरा में विभाग आवंटन को लेकर मंत्रियों के बीच तनातनी चल रही है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव से पहले ही त्रिपुरा में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के मंत्री टिपरा मोथा अनिमेष देबबर्मा ने विभाग आवंटन पर नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने एक बार फिर आवंटित विभागों को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने यह भी बताया कि वे इस मुद्दे को केंद्रीय गृहमंत्री के समक्ष भी उठाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए देबबर्मा ने कहा कि उन्होंने पहले ही मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने लाल किला हमले के दोषी मोहम्मद आरिफ की दया याचिका खारिज की

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 दिसंबर 2000 को लाल किला हमला मामले में दोषी ठहराए गए पाकिस्तानी आतंकवादी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की दया याचिका खारिज कर दी है। इस हमले में राजपूताना राइफल्स के तीन जवान बलिदान हो गए थे। आरिफ एक पाकिस्तानी नागरिक है और प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का सदस्य है। अधिकारियों ने राष्ट्रपति सचिवालय के 29 मई के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि 15 मई को आरिफ की दया याचिका प्राप्त हुई थी, जिसे 27 मई को खारिज कर दिया गया। राष्ट्रपति के 25 जुलाई 2022 को कार्यभार संभालने के बाद यह दूसरी दया याचिका है, जिसे राष्ट्रपति ने खारिज किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर, 2022 को आरिफ की समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी और मामले में -शेष पृष्ठ दो पर

पेमा खांडू गुरुवार को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश में भाजपा विधायक दल की बैठक में पेमा खांडू को नेता चुन लिया गया है। बाद में खांडू भाजपा विधायकों का समर्थन पत्र लेकर राज्यपाल ले.ज. (सेवानिवृत्त) केटी परनायक से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। राजभवन ने पेमा खांडू को मुख्यमंत्री की शपथ लेने के लिए गुरुवार को आमंत्रित किया। बुधवार को राजधानी इटानगर स्थित दोर्जी खांडू कंवेशन सेंटर में भाजपा विधायकों की बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से एक बार फिर से पेमा खांडू को अरुणाचल प्रदेश भाजपा विधायक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

इटली में खालिस्तानियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़ी

नई दिल्ली। इटली में खालिस्तानियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़ दिया है। यह घटना जी7 बैठक के लिए प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है। खालिस्तानियों ने महात्मा गांधी की इस प्रतिमा की आधारशिला पर हरदीप सिंह निज्जर के समर्थन में नारे भी लिखे हैं। हालांकि, इटली के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने रिकॉर्ड समय में इस प्रतिमा को साफ कर दिया है। इटली में 13 से 15 जून तक जी7 शिखर -शेष पृष्ठ दो पर

भागवत ने कई मुद्दों पर मोदी सरकार को दी नसीहत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय वर्ष के समापन समारोह में ऐसी बातों का खुलासा किया है, जिससे भाजपा और संघ के बीच तालमेल को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भागवत ने बिना नाम लिए मणिपुर हिंसा को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है और कहा है कि मणिपुर पिछले एक साल से शांति की राह देख रहा है। प्राथमिकता के साथ उसका विचार करना होगा। वह यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों का युद्ध की तरह लड़ा गया। भागवत ने कहा कि जिस तरह से चुनाव में चीजें हुई हैं, उससे विभाजन होगा, सामाजिक और मानसिक दरारें बढ़ेंगी। संघ प्रमुख ने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान करना होगा। सभी की पूजा का सम्मान करना है, ये मान कर चलना है कि -शेष पृष्ठ दो पर

हमास ने सीजफायर प्रस्ताव ठुकराया, कहा-

इजराइली सेना आए तो बंधकों को मार डालो

गाजा सिटी। अमेरिकी की पहल पर भेजे गए युद्धविराम और कैदियों की अदला-बदली वाले प्रस्ताव को हमास ने ठुकरा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार ने हमास ने साफ कर दिया है कि इजरायली सेना की गाजा से वापसी से कम वाले किसी भी प्रस्ताव को वह स्वीकार नहीं करेगा। गाजा का बिन लादेन कहे जाने वाले हमास के मुखिया याह्या सिनवार ने इजरायल के साथ युद्धविराम के लिए बड़ी शर्त रखी है। अमेरिकी पहल के तहत भेजे गए युद्धविराम प्रस्ताव पर हमास ने कतर में मौजूद के राजनीतिक कार्यालय के जरिए अपना जवाब भेजा है। इसमें हमास ने युद्धविराम के लिए राफा क्रॉसिंग और फिलाडेल्फी कॉरिडोर से इजरायली सेना की पूर्ण वापसी की शर्त रखी है। हमास ने जंग के 8 महीने बाद अपने लड़ाकों को आदेश दिए हैं कि अगर इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) उनकी तरफ आगे बढ़े तो कैद में रखे इजराइली बंधकों को सीधा गोली मार दें। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक नुसीरत कैंप में इजराइल बंधकों को छुड़ाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन के बाद यह फैसला लिया गया है। दरअसल, इजराइल ने 8 जून को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मार्च 2025 तक देश के सभी गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल श्रेणी में लाने का करेंगे प्रयास : वी. सोमन्ना

नई दिल्ली (हि.स.)। वी. सोमन्ना ने आज बुधवार (12जून) को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने इस मंत्रालय की जिम्मेदारी के साथ उन पर भरोसा करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। आज सीजीओ परिसर कार्यालय में उनके आगमन पर जल शक्ति मंत्रालय की सचिव (पेयजल और स्वच्छता) विनी महाजन ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर वी. सोमन्ना ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत पिछले 5 वर्षों में 11 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों को नल से पानी की आपूर्ति की गई है और अब 76 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण इलाकों में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 55 लीटर गुणवत्तायुक्त पानी मिल रहा है। वी. सोमन्ना ने यह भी कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत भारत के 93 प्रतिशत से अधिक गांवों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाया गया है, जबकि लगभग 33 प्रतिशत गांवों ने ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम श्रेणी हासिल की है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के आधार पर हम मार्च 2025 तक देश के सभी गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल श्रेणी में लाने का प्रयास करेंगे। वी. सोमन्ना ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में उल्लेखनीय विकास हुआ है। उन्होंने सरकार के तीसरे कार्यकाल में विकास की गति को जारी रखने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराया। वी. सोमन्ना कर्नाटक के तुमकुर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं। इससे पहले वे राज्य सरकार में कई मंत्री पदभार संभाल चुके हैं।

गडकरी को धमकी देने वाले गैंगस्टर की कोर्ट परिसर में जमकर पिटाई

बेलगावी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार एक गैंगस्टर की बुधवार को कर्नाटक के बेलगावी में अदालत परिसर में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने पर जमकर पिटाई की गई। गिरफ्तार गैंगस्टर जयेश पुजारी को जब जिला अदालत में पेश किया गया, तो वह पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगा। पाकिस्तान समर्थक नारे लगाते ही अदालत में मौजूद लोगों और वकीलों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। कोर्ट में पेश करने गई पुलिस टीम ने बड़ी मुश्किल से उसे बचाया और वहां से उसे बाहर लेकर आई। बाद में उसे एपीएमसी पुलिस स्टेशन ले जाया गया। उसे कर्नाटक के आईपीएस अधिकारी आलोक कुमार को जान से मारने की धमकी के मामले में कोर्ट में पेश किया गया था। सूत्रों ने कहा कि जयेश पुजारी ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए, क्योंकि उसे अदालत के समक्ष अपना मामला पेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। पुजारी वर्तमान में हिंडालगा केंद्रीय जेल में बंद है। वह कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों ने कहा है कि अदालत में पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के लिए उसके खिलाफ अलग मामला दर्ज की जाएगी।

तीन डकैत गिरफ्तार

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के बेलसर इलाके में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर तीन डकैत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि 31 मई की रात नलबाड़ी जिले के पल्ला रोड इलाके में पिस्तौल की नोंक पर एक युवक से स्कूटी और नगद रुपए लूटने के आरोप में तीन डकैतों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार डकैतों की पहचान पापुली अहमद, लतीफ हुसैन बोगा और सुनील राजवंशी के रूप में की गई है। पुलिस ने अभियान के दौरान स्कूटी को भी जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में पहले से दर्ज प्राथमिक की आधार पर गिरफ्तार तीनों डकैतों से सघन पूछताछ कर रही है।

करीमगंज में भारी मात्रा में नशीला याबा टैबलेट के साथ तीन गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने करीमगंज में भारी मात्रा में नशीला याबा टैबलेट के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। आईजीपी पार्थसारथी महंत और एसपी पार्थ प्रतिम दास के नेतृत्व में एसटीएफ और करीमगंज पुलिस के संयुक्त अभियान में बदरपुर थाना के अंतर्गत लामाजुआर इलाके में भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त की गई है। बुधवार की शाम बोलेरो वाहन की दो बैकलाइट के गुप्त कक्षों के अंदर से 2,20,000 याबा टैबलेट बरामद किए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया। बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाली बोलेरो कैंपर गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया। अभियान में पकड़े गए तीनों तस्करों की पहचान खैरुल हुसैन (ड्राइवर), मामोन मियां और नबीर हुसैन के रूप में हुई है। सभी त्रिपुरा राज्य के निवासी हैं। काले बाजार में इस खेप की कीमत लगभग 66 करोड़ रुपए आंकी गई है।

मोबाइल टावर के केबल चुराने के आरोप में एक गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के मोरियानी इलाके में स्थित जिओ मोबाइल के टावर का केबल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जिओ मोबाइल टावर का केवल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने अमिन हुसैन नामक एक चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोर टावर का केबल मारुति स्विफ्ट कार (एएस-03एई-6922) में छुपा कर रखा था।

राहुल ने कांग्रेस में नई जान फूंकी : गौरव

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पार्टी के पुनरुत्थान का श्रेय राहुल गांधी को दिया। उन्होंने कहा कि राहुल ने न केवल पार्टी को नैतिक और दार्शनिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि लोकसभा चुनावों की योजना भी तैयार की, जिसका असर नतीजों में भी दिखाई दिया। गोगोई ने मई 2022 में पार्टी के उदयपुर *चिंतन शिविर* में कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के संदेश को याद किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी ने पुनरुत्थान की राह पर एक लंबा सफर तय किया और उस राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आपको 2021 से कांग्रेस के सफर को याद होगा जब हम हमने बहुत खराब प्रदर्शन किया था। हमने 2019 के लोकसभ चुनाव में खराब प्रदर्शन किया था। 2021 के विधानसभा चुनाव में हम असम और केरल में हार गए थे और भाजपा उफान पर थी। हमने उदयपुर में चिंतन शिविर का आयोजन किया, क्योंकि हम चिंतित थे। असम की जोरहाट लोकसभा सीट पर करीब डेढ़ लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज करने वाले गोगोई ने कहा कि चिंतन शिविर के अंत में तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपने भाषण में कहना पड़ा था कि हम इससे तीन बार पार पा लेंगे, जो उस समय पार्टी की मानसिकता को दिखाता है। उन्होंने हां, अगर आप उस समय से देखें तो हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं और हमें इससे भी आगे जाना है। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर के बाद देखा होगा कि कांग्रेस के पुनरुद्धार को राहुल गांधी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनसे (राहुल गांधी) एक यात्रा (भारत जोड़ो यात्रा) करने के लिए कहा। वह सितंबर 2022 से जनवरी 2023 तक करीब चार हजार किलोमीटर तक कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चले, जिसके परिणाम हमने कर्नाटक चुनावों में देखे। फिर उन्से छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश हारने के बाद अयोध्या मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले के माहौल में एख और यात्रा करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा, इन चुनवों में क्या मुद्दे थे- लोकतंत्र, संविधान, जाति जनगणना, अग्निपथ। इन मुद्दों को हमारी कहानी में कौन लाया? इन मुद्दों को सामने लाने की मुख्य भूमिका राहुल की थी। इसलिए उन्होंने हमें नैतिक और दार्शनिक नेतृत्व दिया।

पृष्ठ एक का शेष

कुवैत की इमारत में ...

में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने आशा जताई है कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द ही पूर्ण स्वस्थ होंगे। कुवैत में हुए अग्निकांड के बाद पीएम मोदी के निर्देशों पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत जाएंगे। वे वहां राहत कार्यों की निगरानी करेंगे। इसके साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के शवों की शीघ्र स्वदेश वापसी के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। उधर कांग्रेस ने कुवैत में एक बड़ी इमारत में लगी आग में कई भारतीयों सहित कई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। साथ ही विदेश मंत्रालय से भारतीय पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। कुवैत में एक इमारत में लगी आग में लगभग 49 लोगों की मौत हुई है। जिसमें कई भारतीय भी शामिल हैं। अधिकारियों की मानें तो आग बुधवार तड़के कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगाफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। इस इमारत में लगभग 160 लोग रहते है, जो कि इसी कंपनी के कर्मचारी हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस दुर्घटना में अब तक 49 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें कुछ भारतीय भी शामिल हैं। इस घटना के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कुवैत में हुई भयानक त्रासदी से दुखी हूं, जहां कई भारतीय मजदूरों की जान चली गई और कई के घायल होने की सूचना आ रही है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हम विदेश मंत्रालय से आग्रह करते हैं कि पीड़ितों और उनके परिवारों को ईमानदारी से हर संभव सहायता प्रदान की जाए। कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने कहा कि कुवैत में एक श्रमिक शिविर में आग लगने के कारण हमारे साथी भारतीय नागरिकों की जान जाने की खबर से बहुत दुख हुआ। दिवंगत आत्माओं के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं विदेश मंत्रालय से इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों की तत्काल सहायता प्रदान की जाए। सभी पीड़ितों और उनके परिवारों को उचित मुआवजा भी दिया जाए। वेणुगोपाल ने कहा कि यह घटना मध्य पूर्व में भारतीय मजदूरों के रहने की भयावह स्थिति की याद दिलाती है। वहीं केरल के अलप्पुझा से सांसद ने कहा कि सरकार को अपने समकक्षों के साथ मिलकर हमारे नागरिकों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। जिसमें उचित आवास सुविधाएं, पर्याप्त सुरक्षा, सावधानियां और सुविधाएं शामिल हों। जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। कांग्रेस ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि कुवैत में एक इमारत में आग लगने से कई भारतीयों की मौत की दुखद खबर सामने आई है। कांग्रेस परिवार इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। कुवैत के फॉरेंसिक विभाग के महानिदेशक मेजर जनरल ईद अल-ओवैहान का कहना है कि मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकांश केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के नागरिक थे। मृतकों की उम्र 20 से 50 साल के बीच बताई गई है।

चंद्रबाबू ने चौथी ...

दावा पेश किया था। बुधवार को नायडू के साथ कई और नेता भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। नायडू ने शपथ ग्रहण से एक दिन पहले घोषणा की कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। एनडीए विधायक दल की बैठक के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने दक्षिणी राज्य के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा है और उन्हें इसका आश्वासन भी मिला है। आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में राज्य की 175 में से 135 सीटें जीतकर चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी। चुनाव में पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने 21 सीटें जीती हैं और भाजपा को भी आठ सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी महज 11 सीटों पर सिमट गई है। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में टीडीपी, जनसेना और भाजपा गठबंधन बनाकर चुनाव मैदान में उतरीं थीं।

माझी ने ली ...

हुआ। इस कार्यक्रम को भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित किया गया। ओडिशा के मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन चरण मांझी के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भुवनेश्वर पहुंचे। एयरपोर्ट पर ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास और स्वयं मोहन चरण मांझी ने पीएम मोदी का स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी शपथ समारोह में मौजूद रहें। पूर्व सीएम नवीन पटनायक भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। बता दें कि माझी के नाम का एलान 11 जून को हुई विधायक दल की बैठक में किया गया। भाजपा ने वरिष्ठ पार्टी नेता राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को ओडिशा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। सीएम चुने जाने के बाद माझी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी जाएंगे। बता दें कि मोहन माझी के अलावा 16 अन्य मंत्रियां ने भी शपथ ली। गणेश राम, संपंद स्वेन, प्रदीप बालासमंता, गोकुला नंद मलिक, सूर्यबंशी सुराज को मंत्री स्वतंत्र प्रभार की शपथ दिलाई गई। माझी कैबिनेट में सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानद गोंड, पृथ्वीराज हरिचंदन, कृष्ण चंद्र महापात्रा, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना, कृष्ण चंद्र पात्रा भी मंत्री के रूप में शामिल किए गए हैं। चार बार एक ही विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने वाले माझी पर इस बार भारतीय जनता पार्टी ने भरोसा जताया और उन्हें ओडिशा का 15वां मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। आपको बता दें कि इस बार ओडिशा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में बीजू जनता दल के विजयरथ को रोका और बड़ी जीत दर्ज की। 147 में से 78 सीटों पर जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी ओडिशा में सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। पार्टी ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना पीएम मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। उधर, बीजू जनता दल को 51 सीटों पर जीत हासिल हुई। आदिवासी नेता मोहन माझी ने विधानसभा चुनाव में क्योंझर सीट से जीत हासिल की है। इस चुनाव में उन्होंने बीजू जनता दल की मीना माझी को 11,577 मतों से शिकस्त दी। 52 वर्षीय भाजपा नेता की विधानसभा चुनाव में यह चौथी जीत है। वह पहली बार 2000 में क्योंझर (एसटी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विधायक चुने गए थे। इसके बाद 2004, 2019 और अब 2024 में भी क्योंझर सीट से जीते हैं। माझी ओडिशा विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक भी रह चुके हैं। मोहन चरण माझी का जन्म 1972 में ओडिशा में हुआ था। उनके पिता का नाम गुनाराम माझी है। उनकी शादी डॉ. प्रियंका मरांडी से हुई है और उनके दो बेटे हैं। मोहन चरण माझी ने अपना सियासी करियर एक सरपंच के रूप में शुरू किया था। उन्होंने यह जिम्मेदारी 1997 से 2000 के बीच संभाली। 1997 में उन्हें भाजपा ओडिशा आदिवासी मोर्चा के सचिव की जिम्मेदारी मिली। इसके अलावा मोहन स्थानीय स्तर पर युबज्योति क्लब, रायकला के अध्यक्ष, बाबा धबलेश्वर महादेव मंदिर समिति, रायकला के सदस्य और भाजपा ओडिशा एसटी मोर्चा के महासचिव जैसे पदों पर भी रहे। 2023 में माझी तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने 700 करोड़ रुपए के मिड डे मील घोटाले को उजागर करने के लिए अनूठे तरीके से विधानसभा में विरोध किया था। माझी ने तब एक कटोरी बिना पकी दाल स्पीकर की तरफ उछाल दी थी। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में मोहन ने अपनी संपत्ति 1.97 करोड़ रुपए घोषित की थी। वह खुद को पेशे से किसान और समाजसेवक बताते हैं। शैक्षिक योग्यता की बात करें तो माझी स्नातक पेशेवर हैं। 1993 में सीएस कॉलेज चंपुआ से बीए किया है। इसके बाद मोहन ने 2011 में ढेंकनाल लॉ कॉलेज से एल.एल.बी. किया है। यात्रा और खेल का शौक रखने वाले मोहन रायकला, क्योंझर में राइजिंग स्टार क्लब के फुटबॉल खिलाड़ी रहे हैं।

मणिपुर में डॉक्टर ...

ग्रेनेड फट गया, इस दौरान घर के सामने खड़ी कार में आग लग गई, जबकि हमलावरों का फेंका गया दूसरा ग्रेनेड नहीं फटा। वहीं वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे इलाके में घेराबंदी की और बिना विस्फोट वाले ग्रेनेड को बम स्क्वाड बुलाकर निष्क्रिय कराया। पुलिस के मुताबिक इस हमले के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। और हमलावरों को पकड़ने के लिए घटना की जांच शुरू कर दी हई है। वहीं अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। राजधानी इंफाल के अलावा और कई जगहों पर हिंसा और हमले की खबरें सामने आई है। बता दें कि, कांगपोकपी जिले में 10 जून को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया था। जिसमें एक जवान के घायल होने की सूचना मिली थी। ये हमला तब हुआ था जब मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का काफिला हिंसा प्रभावित जिरीबाम इलाके की ओर जा रहा था। वहीं हिंसाग्रस्त जिरीबाम जिले के पास मणिपुर पुलिस ने इंफाल-जिरीबाम सड़क के किनारे के सिनाम गांव में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के कब्जे वाले चार बंकरों को ध्वस्त किया है। मणिपुर पुलिस ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि कांगपोकपी जिले में कोटलेन के पास के सिनाम गांव में मणिपुर के मुख्यमंत्री की अग्रिम सुरक्षा टीम पर घात लगाकर किए गए हमले के बाद इन बंकरों को नष्ट किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान मौके से गोलियों के कई खाली खोखे बरामद किए गए हैं।

10वीं से लेकर ...

एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाली छात्राओं को असम सरकार की ओर से 2500 रुपए का मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 जुलाई से प्रत्येक कॉलेज में इस योजना के फार्म उपलब्ध करा दिए जाएंगे। हर आय वर्ग के लोगों की बच्चियों को इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत पहली राशि 11 अक्तूबर को छात्राओं के खाते में भेज दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे माता-पिता और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ को कम होगा। इस योजना से उच्च शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के नामांकन अनुपात में वृद्धि होने की संभावना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं को स्कूटी दी थी। इसके परिणामस्वरूप प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली लड़कियों की संख्या में वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि छात्राओं को 60 फीसदी अंकों के साथ मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सरकार की ओर से स्कूटी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना पर प्रत्येक वर्ष तीन सौ से साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए की खर्च आएगा। छात्राओं की संख्या बढ़ने के साथ ही यह राशि बढ़कर 1500 करोड़ रुपए प्रति वर्ष तक हो सकती है।

राज्य सरकार के ...

माणिक साहा के समक्ष यह मुद्दा उठाया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि मुझे आवंटित विभागों से मैं खुश नहीं हूं। वन विभाग तो ठीक है, लेकिन प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (टीआरईडीए को छोड़कर)... मैं खुश नहीं हूं। मैंने कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और उनसे कुछ महत्वपूर्ण विभाग आवंटित करने का आग्रह किया था, ताकि मैं ग्रामीण लोगों की मदद कर सकूं। छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। देबबर्मा ने कहा कि वह जल्द ही दिल्ली जाकर शाह से मिलेंगे और उन्हें दोबारा गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के लिए बधाई देंगे तथा उनके समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं पिछले 22 वर्षों से राजनीति में हूं। कई विधायकों को राजनीति में केवल पांच वर्ष पूरे करने के बाद भी कई चीजें मिल जाती हैं। अगर मुझे (महत्वपूर्ण विभाग) नहीं मिलते हैं तो कोई बात नहीं है। मैं सरकार के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन मुझे काम करना है।

राष्ट्रपति ने लाल ...

उसे दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। उल्लेखनीय है कि 22 दिसंबर, 2000 को हुए हमले में कुछ घुसपैठियों ने लाल किला परिसर में तैनात 7 राजपूताना राइफल्स यूनिट पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप तीन सैन्यकर्मी बलिदान हो गए। हमले के चार दिन बाद दिल्ली पुलिस ने आरिफ को गिरफ्तार किया था। मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक एक पाकिस्तानी नागरिक है, जो अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में घुसा था। आरिफ को हमले को अंजाम देने के लिए अन्य आतंकवादियों के साथ साजिश रचने का दोषी पाया गया था और ट्रायल कोर्ट ने अक्तूबर 2005 में उसे मौत की सजा सुनाई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने बाद की अपीलों में इस फैसले को बरकरार रखा।

पेमा खांडू गुरुवार...

दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही पेमा खांडू के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। भाजपा विधायक दल की बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ मौजूद रहे। इस बैठक के बाद विधायकों का समर्थन पत्र लेकर पेमा खांडू केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद, तरुण चुघ, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री चोना मीन सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राज्यपाल से मुलाकात करने राजभवन पहुंचे और राज्यपाल ले.ज. (सेवानिवृत्त) केटी परनायक के समक्ष भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश किया। राजभवन में राज्यपाल को समर्थन पत्र सौंपने के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ब्यूराम बागे ने कहा कि आगामी गुरुवार को 11 बजे दोर्जी खांडू कंवेशन सेंटर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सरकार के शपथ ग्रहण के आयोजन की व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। गुरुवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, असम समेत पूर्वोत्तर के चार मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, नगालैंड के नेफ्यू रियो, त्रिपुरा के डॉ. माणिक साहा, मणिपुर के एन बीरेन सिंह समेत कई वीआईपी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि चुनाव में 60 सदस्यीय अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में भाजपा तीन चौथाई से अधिक सीटें जीत कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। चुनाव में भाजपा के 46, एनपीपी के पांच, एनसीपी के तीन, पीपीए दो और कांग्रेस को एक सीट मिली है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू की अगुवाई में भाजपा ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़कर इस बार इतिहास रच दिया है। राज्य में तीसरी बार भाजपा अकेले बहुमत के साथ सत्ता में आई है।

भागवत ने कई ...

हमारे जैसा उनका धर्म भी सच्चा है। भागवत के इन सब खुलासों के बाद मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि भाजपा और संघ के रिश्तों में कहीं न कहीं तनाव नजर आता है और संघ कई मुद्दों पर नाराज दिखाई देता है। भागवत ने कहा कि एक साल से मणिपुर शांति की राह देख रहा है। इससे पहले 10 साल शांत रहा। पुराना गन कल्चर समाप्त हो गया, ऐसा लगा। और अचानक जो कलह वहां पर उपजा या उपजाया गया, उसकी आग में अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? प्राथमिकता देकर उसका विचार करना यह कर्तव्य है। उनके इस बयान के कई मतलब मायने निकाले जा रहे हैं। अब बदले राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा पर टिकी है। सवाल यह है कि अगर संघ नाराज है तो मणिपुर में भाजपा नेतृत्व बदलेगी? मई 2023 से मणिपुर में दस साल की शांति के बाद हिंसा शुरू हुई थी। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा में अब तक 226 से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी। पांच हजार से ज्यादा घर जलाए गए और 60 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए। राज्य में 5000 घंटे इंटरनेट बंद रहा। असम के कछार और मिजोरम में मणिपुर के लोगों ने शरण ले रखी है। इस हिंसा ने एक बार फिर कुकी उग्रवादियों को पनपने का मौका दे दिया। पिछले साल जुलाई में जब दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने का वीडियो आया तो पूरा देश हिल गया। भागवत ने लोकसभा चुनाव को लेकर भी राजनीतिक दलों को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि दो पक्ष होने के कारण प्रतिस्पर्धा होती है। चूंकि यह एक प्रतिस्पर्धा है, इसलिए खुद को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाता है, लेकिन इसमें एक गरिमा होती है। उन्होंने कहा कि चुनाव में तकनीक की मदद से झूठ को पेश किया गया, झूठ को प्रचारित करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ऐसा देश कैसे चलेगा? विपक्ष को विरोधी नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि वे विपक्ष हैं और एक पक्ष को उजागर कर रहे हैं। उनकी राय भी सामने आनी चाहिए। चुनाव लड़ने की एक गरिमा होती है, उस गरिमा का ख्याल नहीं रखा गया। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि हमारे देश के सामने चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। वही एन.डी.ए. सरकार फिर से सत्ता में आ गई है, यह सही है कि पिछले 10 सालों में बहुत सारी सकारात्मक चीजें हुई हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अब हम चुनौतियों से मुक्त हो गए हैं। संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने इस्लाम और ईसाई धर्म को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस्लाम और ईसाई जैसे धर्मों की अच्छाई और मानवता को अपनाया जाना चाहिए। सभी धर्मों के अनुयायियों को एक-दूसरे का भाई-बहन के रूप में सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आक्रमणकारी भारत आए और अपने साथ अपनी विचारधारा लेकर आए, जिसका कुछ लोगों ने अनुसरण किया, लेकिन यह अच्छी बात है कि देश की संस्कृति इस विचारधारा से प्रभावित नहीं हुई। भागवत ने कहा कि सभी को यह मानकर आगे बढ़ना चाहिए कि यह देश हमारा है और इस भूमि पर जन्म लेने वाले सभी लोग हमारे अपने हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अतीत को भूल जाना चाहिए और सभी को अपना मानना चाहिए। भागवत ने आगे कहा कि जातिवाद को पूरी तरह से खत्म किया जाना चाहिए।

इजराइली सेना आए ...

हमास की कैद से अपने 4 नागरिकों को रेस्क्यू किया था। इस दौरान 270 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए थे। हमास ने दावा किया था कि हमलों में 3 बंधकों की भी मौत हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल के इंटेलिजेंस और मिलिट्री की टीम लगातार ड्रोन्स, सैटेलाइट और दूसरे तरीकों से गाजा में बंधकों को ट्रैक करने की कोशिश कर रही हैं। हमास ने साफ कह दिया है कि वो ऐसे किसी भी समझौते को स्वीकार नहीं करेगा जिसमें गाजा से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी शामिल न हो। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक बंधकों को लेकर पहले से दबाव झेल रहे इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लिए हमास की शर्त मुश्किल बढ़ाने वाली है। इससे पहले कतर के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उसे गाजा पट्टी में संघर्ष विराम के प्रस्ताव के बारे में हमास की प्रतिक्रिया मिल गई है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि हमास और अन्य फिलिस्तीनी गुटों ने मंगलवार को युद्ध विराम समझौते और कैदियों की अदला-बदली के ताजा प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बयान के अनुसार, दोनों देशों ने पुष्टि की कि वे प्रस्ताव पर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसके बारे में कुछ और नहीं बताया। फिलिस्तीनी इस्लामिक रेसिस्टेंट मूवमेंट (हमास) और इस्लामिक जिहाद ने अल जजीरा को बताया कि वे सकारात्मक तरीके से समझौता करने के लिए तैयार हैं और उनका मुख्य लक्ष्य गाजा में इजरायली अभियानों को रोकना है। लेबनान के चरमपंथी गुट हिजबुल्लाह से जुड़े एक चैनल अल मायदीन को बताया कि उन्होंने युद्धविराम प्रस्ताव में संशोधन करके यह स्पष्ट कर दिया है कि यह स्थायी नहीं होगा। राष्ट्रपति बाइडेन ने जिस समझौते की घोषणा की थी, उसमें स्थायी युद्धविराम का जिक्र था। बता दें कि गाजा में चल रही जंग में अब तक 35 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, लेकिन इन मौतों पर दुख के बजाय सिनवार इसे सफलता के रूप में देख रहा है। सिनवार ने फिलिस्तीनियों की मौत को आवश्यक बलिदान करार दिया है। सिनवार का मानना है कि गाजा में जितनी ज्यादा मौतें होंगी उससे हमास को फायदा होगा और इजरायल का दुनिया भर में विरोध होगा।

इटली में खालिस्तानियों ...

सम्मेलन का आयोजन होगा है। इससे पहले खालिस्तानी समर्थकों ने इटली में इस नापाक करतूत को अंजाम दिया है। इस घटना की तस्वीर सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है। इस घटना पर विदेश मंत्रालय ने नाराजगी भी व्यक्त की है। विदेश सचिव ने कहा कि भारत ने इटली में महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने का मामला उठाया है, प्रतिमा को ठीक कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने को लेकर इटली के अधिकारियों से बातचीत की है। घटना को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के सचिव ने बाढ़ प्रभावितों के बीच बांटी राहत सामग्री

नगांव (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुसूचित जाति मोर्चा (अजामो) के राज्य सचिव डॉ. असीम कुमार दास ने नगांव जिलांतर्गत रोहा के बगलाजान, आटिगांव और डांगरी इलाके के बाढ़ प्रभावितों के बीच कुछ राहत सामग्रियों का वितरण किया। नगांव जिले के रोहा विधानसभा क्षेत्र के बगलाजन, आटिगांव और डांगरी इलाकों में प्राकृतिक आपदा के कारण कई परिवारों के घर पानी में डूब गए हैं और आश्रय के लिए विभिन्न शिविरों में रह रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं के हवाले से खबर मिलने के बाद सचिव ने अन्य पदाधिकारियों के साथ चार से अधिक आश्रय शिविरों का आज दौरा कर प्रभावित परिवारों की मदद के लिए उन्होंने अपना हाथ आगे बढ़ाया। उन्होंने शिविर में पहुंचकर अपने व्यक्तिगत प्रयासों से 200 से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवार में से प्रत्येक को कुछ वित्तीय सहायता प्रदान की जिसमें दाल, चीउरा, पानी की बोतलों सहित कुछ दैनिक आवश्यकताओं की सामग्री शामिल हैं। शिविर में रह रहे परिवारों ने भाजपा नेता के इस कदम की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं के स्थान सर्वेक्षण को पूसीरे की मंजूरी

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल ने हाल ही में बांग्लादेश, नेपाल जैसे पड़ोसी देशों को जोड़ने वाले 14 नए रेलवे संपर्क मार्गों और पूर्वोत्तर की ओर वैकल्पिक मार्गों के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) को मंजूरी दी है। स्वीकृत अंतिम स्थान सर्वेक्षण की कुल लंबाई 1275.50 कि.मी. है। बांग्लादेश और नेपाल को जोड़ने वाली नई रेल लाइनों के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण की कुल लंबाई 861 कि.मी. और 202.5 किमी है। पूर्वोत्तर की ओर प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग की लंबाई 212 कि.मी. होगी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि भारत और बांग्लादेश के बीच रेल संपर्क के एफएलएस के लिए स्वीकृत मार्ग बालुरघाट-हिली-पार्बतीपुर-कौनिया-लालमनिरहाट-मोगलहाट-गितालदह सेक्शन है। यह 32 कि.मी. का होगा, जिसमें से 14 कि.मी. नई रेल लाइन और 18 कि.मी. गेज परिवर्तन होगा। प्रस्तावित बालुरघाट-गितालदह-बामनहाट-सोनाहाट-गोलकगंज-धुबड़ी सेक्शन 56 कि.मी. लंबा होगा, जिसमें 38 कि.मी. नई रेल लाइन और 18 कि.मी. गेज परिवर्तन होगा। बालुरघाट-हिली-गायबंधा-महेंद्रगंज-तुरा-मेंदीपथार सेक्शन में 250 कि.मी. नई रेल लाइन का निर्माण होगा। प्रस्तावित मांगुरजान-पीरगंज-ठाकुरगांव-पंचगढ़-हल्दीबाड़ी मार्ग में 60 कि.मी. नई रेल लाइन का निर्माण होगा। प्रस्तावित डालखोला-पीरगंज-ठाकुरगांव-पंचगढ़-हल्दीबाड़ी सेक्शन में 80 कि.मी. नई रेल लाइन का निर्माण होगा। प्रस्तावित राधिकापुर-बिरोल-पार्बतीपुर-कौनिया-गितालदह सेक्शन 32 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें 14 किलोमीटर नई रेलवे लाइन और 18 किलोमीटर गेज परिवर्तन होगा। प्रस्तावित बेलोनिया-फेनी-चट्टग्राम मार्ग 131 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें से 38 किलोमीटर नई रेल लाइन और 93 किलोमीटर गेज परिवर्तन होगा। गेदे-दरसाना-ईश्वरदी-टोंगी-भैरब बाजार-अखौरा-अगरतला मार्ग में 100 किलोमीटर गेज परिवर्तन होगा। प्रस्तावित पेट्रापोल-बेनापोल-नभारोन-जेसोर-रुपडिया-पद्माबिला-लोहागरा-काशियानी-शिबचर-मावा-निमतला-गेंडारिया-ढ़ाका-टोंगी-भैरब बाजार-अखौरा-अगरतला मार्ग के लिए 120 किलोमीटर गेज परिवर्तन की आवश्यकता होगी। उपरोक्त सभी प्रस्तावित मार्ग भारत और बांग्लादेश के बीच रेल संपर्क को और मजबूत करेंगे। पूर्वोत्तर की ओर प्रस्तावित वैकल्पिक नये मार्ग के फारबिसगंज-लक्ष्मीपुर सेक्शन 17.60 किलोमीटर लंबा होगा। ठाकुरगंज-चटेरहाट सेक्शन के बीच नया मार्ग 24.40 किलोमीटर लंबा होगा। कुमेदपुर-आमबाड़ी फालाकाटा नए मार्ग के लिए 170 किलोमीटर नई रेलवे लाइन के निर्माण की आवश्यकता होगी।

बोकाजान में भारी मात्रा में नशीला याबा टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। बोकाजान पुलिस ने भारी मात्रा में नशीले याबा टैबलेट के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज बताया कि बरपथार पुलिस द्वारा नियमित नाका तलाशी के दौरान तीन तस्करों में से एक तस्कर को 36,000 नशीली याबा गोलियों (18 पैकेट में 4 किलोग्राम) के साथ गिरफ्तार किया गया। बोकाजान पुलिस को टाटा जेनन वाहन (एमएन-06एल-7152) में मणिपुर से गुवाहाटी तक नशीले पदार्थों की आपूर्ति के बारे में गुप्त सूचना मिली। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने बरपथार थाना के तहत खाकराजान में नियमित नाका पर छापा मारा। खाकराजान में रूटीन नाका तलाशी के दौरान जब पुलिस वाहन की तलाशी ली जा रही थी कि वाहन में आए तीन तस्कर पुलिस की आंखों में धूल झोंककर भाग गए। लेकिन, उनमें से एक को पुलिस ने पीछा कर गिरफ्तार कर लिया। गाड़ी के बोनट के अंदर एयर क्लीनर में छिपाकर टैबलेट रखा गया था। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मणिपुर निवासी अब्दुल लतीफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बरामद की गई याबा टैबलेट का अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब छह करोड़ रुपए आंका गया है।

बांग्लादेश की सीमा पर 12 बर्मीज मवेशी जब्त

कछार (हिंस)। बांग्लादेश की सीमा पर 12 बर्मीज मवेशियों को जब्त किया गया। मिजोरम कछार सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने कछार पुलिस की मदद से बुधवार को कछार जिले के काटिगोरा सीमा पर गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान चलाया। इस अभियान में एक तस्कर को पकड़ लिया गया। तस्कर के टाटा ट्रक से 12 बर्मीज मवेशियों को जब्त किया गया। इन मवेशियों को बांग्लादेश ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार तस्कर से पुलिस पूछताछ कर रही है।

रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार लोक सेवक

गुवाहाटी (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा आज एक लोक सेवक को रिश्वत लेते हुए रंग हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। निदेशालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कछार जिला आयुक्त, सिलचर के कार्यालय के वरिष्ठ जिला प्रशासनिक सहायक सौम्यब्रत भट्टाचार्य ने भूमि संबंधी मामले के लिए शिकायतकर्ता से दो हजार रुपए रिश्वत के रूप में मांगी थी। रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर, शिकायतकर्ता ने लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, बुधवार को सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम ने कछार जिला आयुक्त, सिलचर के कार्यालय में जाल बिछाया। सौम्यब्रत भट्टाचार्य को शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के रूप में दो हजार रुपए स्वीकार करते ही कार्यालय में रंगे हाथों पकड़ लिया गया। उनके कब्जे से दागी हुई रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में जब्त कर ली गई। इस संबंध में एसीबी थाना में मामला दर्ज किया गया है। उक्त लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उसे मामले के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

दो कार आपस में टकराई, दो घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मोरीगांव-नगांव मार्ग पर दो कारों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दोनों कारों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आज सुबह दो वैगनार कार (एएस-21जे-3935) और (एएस-21एजी-9533) के बीच हुई टक्कर में दोनों कारों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतना जबरदस्त था कि लाल रंग की वैगनार कार के चालक को बड़ी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकल गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की पहचान फिरोज जहान और लक्ष्यज्योति नाथ के रूप में की गई है। दोनों की हालत काफी गंभीर बताई गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अभ्यास जल राहत : बाढ़ राहत अभियान का संयुक्त अभ्यास

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय सेना ने आईआईटी गुवाहाटी में एएसडीएमए, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, एसएसबी और असम पुलिस के समन्वय में बाढ़ राहत के लिए संयुक्त अभ्यास जल राहत का आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य स्थानीय लोगों में बाढ़ राहत अभियानों के बारे में जागरूकता फैलाना और सभी हितधारकों के बीच तालमेल स्थापित करना है। इस अभ्यास में नागरिक सैन्य सहयोग की असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया और राहत अभियानों के संचालन में सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता और क्षमता का प्रदर्शन किया गया। अभ्यास जल राहत ने बाढ़ आपदाओं के जीवन और सामग्री पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, बचाव अभियान, मौके पर चिकित्सा सहायता और बाढ़ राहत उपायों के तात्कालिक साधनों की तैयारी सहित सावधानीपूर्वक नियोजित अभ्यासों पर भी ध्यान केंद्रित किया। सेना की एक विशेषज्ञ टीम ने विंचिंग क्षमता वाले हेलीकॉप्टर का उपयोग करके बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से फंसे हुए व्यक्ति को बचाने के लिए एक बचाव अभियान का भी चित्रण किया।

इसके अलावा, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने गहरे पानी में फंसे लोगों को बचाने में अपने विशेष कौशल का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास ने स्थानीय लोगों में बाढ़ राहत टुकड़ियों की क्षमताओं के बारे में विश्वास की भावना पैदा की और लोगों को संकट के समय भारतीय सेना और सभी सरकारी एजेंसियों की समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम ने राष्ट्र निर्माण और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। मेजर जनरल विशाल सिंह, एसएम, वीएसएम जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 21 माउंटेन डिवीजन ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया।

रंगिया : सेप्टी प्राथमिक विद्यालय में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर संपन्न

रंगिया (विभास)। रंगिया शिक्षाखंड के अंतर्गत नंबर 4 सेप्टी प्राथमिक विद्यालय में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का आज समापन किया गया। सात दिवसीय इस शिविर में विद्यालय के शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न तरह की शैलियों का ज्ञान प्रदान किया। वहीं आज समापन कार्यक्रम में रंगिया शिक्षा खंड के बहुत से अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करने के साथ विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं की सराहना की।

अच्युत लहकर की आठवीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। भ्राम्यमान थिएटर के जनक स्वर्गीय अच्युत लहकर की आठवीं पुण्य तिथि के अवसर पर आज दक्षिण रंगिया प्रेस क्लब प्रांगण में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कामरूप जिला पत्रकार संघ के सचिव तारणी चरण कलिता द्वारा स्वर्गीय अच्युत लहकर की छवि के सामने दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाज संस्कृति मंच और स्वर्गीय अच्युत लहकर स्मारक पुरस्कार प्रदान समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष तथा सेवानिवृत पुलिस अधीक्षक हेमंत भट्टाचार्य, कामरूप जिला पत्रकार संघ के सचिव तारणी चरण कलिता, अभिनेता तथा शिक्षक कनक कृष्ण भट्टाचार्य, जयंत कुमार शर्मा, असम साहित्य सभा के मातृभाषा- राज्यभाषा प्रयोग उप समिति के संयोजक हेमंत कलिता, अभिनेता नरेश्वर राजवंशी, असम साहित्य सभा युवा संसद उप समिति के सदस्य सुशील चंद्र डेका, *मंच* के अध्यक्ष दिगंत दास, पत्रकार, कलाकार अजंत चौधरी आदि ने स्वर्गीय लहकर के जीवन आदर्श पर प्रकाश डाला। स्वर्गीय लहकर की मृत्यु के बाद, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम *मंच* द्वारा उनकी स्मृति में लगातार पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के आयोजन को देखते हुए सभी ने इसकी सहारना की।

पुरस्कार प्रदान समिति के सचिव प्रोफेसर डॉ. नीलोत्पल शर्मा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में वर्ष 2024 के पुरस्कार के लिए मनोनीत नाट्यकार अभिनेता तथा निर्देशक हेमंत दत्त के नाम की घोषणा की गई। मालूम हो कि असम के भ्रामयमान थिएटर नाटक की धारा को मजबूत करने में हेमंत दत्त का बड़ा योगदान रहा है। *नायक, महाभारत, नवीन मास्टर, दरमाहा,* फॉट, *क्रांतिदान, टाइटैनिक, बंदी, खोज,* जुई, पाप, *मुखा, कथा, बंधु, असिमत जार हेराल सीमा* आदि उनके लिखे उल्लेखनीय नाटक हैं। हेमंत दत्त असमिया सांस्कृतिक जगत में अपने अतुलनीय योगदान के लिए पहले भी विभिन्न पुरस्कार प्राप्त कर चुके है। वहीं उनको आठवें वार्षिक स्वर्गीय अच्युत लहकर स्मारक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पति की हत्या कर महिला ने की खुदकुशी

चराइदेव (हिंस)। जिले के उदयपुर में एक महिला ने अपने पति की हत्या करने बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आज बताया कि स्थानीय लोगों ने दुर्गेश्वरी घटोवार (52) नामक महिला को उसके घर के बागीचे में लटकते देखा। घटना से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने बाद में मृतक महिला के पति झरिया सिंह घटोवार (65) को घर के अंदर मरा पाया। पत्नी ने बेरहमी से चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। पारिवारिक विवाद के चलते उसने पहले पति की चाकू घोंपकर हत्या की और फिर घर के बाहर लटककर आत्महत्या कर ली। मथुरापुर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया।

संवाददाता गियासुद्दीन अहमद का आकस्मिक निधन

नगरबेरा (विभास)। कामरूप जिले के बोको-छयगाव निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेरा में आज एक दुखद घटना हुई। यह पता चला है कि नगरबेड़ा में प्राग न्यूज और दैनिक जन्मभूमि समाचार पत्र के पत्रकार गियासुद्दीन अहमद सुबह गोवालपाड़ा जिले के शिमलिटोला में हाथी के खतरे के बारे में एक समाचार आइटम लेने तैयार थे। पिछले 22साल से दैनिक जन्मभूमि काकत और प्राग न्यूज में पिछले 12 वर्षों से एक समर्पित पत्रकार के रूप में सेवा कर रहा था। लेकिन नियति के क्रूर परिणामों के कारण, नगरबेड़ा के एक बहुत ही समर्पित पत्रकार गियास उद्दीन अहमद ने आज 52 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। ग्रेटर नगरबेरा क्षेत्र के पत्रकार गियासुद्दीन जैसे समर्पित पत्रकार के निधन से दुखी हैं। दिवंगत पत्रकार गियास उद्दीन के साथ-साथ शोक संतप्त परिवार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। असम प्रेस संवाददाता संघ (एपीए केंद्रीय समिति के अध्यक्ष स्वप्न कुमार राभा, कामरूप जिला एपीए के अध्यक्ष हसनुल अहमद, गोवालपाड़ा जिला एपीए के अध्यक्ष अब्दुल राशिद और अन्य भी उपस्थित थे। पिछले साल उच्च रक्तचाप के कारण उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के समय उन्होंने अपने परिवार और रिश्तेदारों को 8 वर्षीय बेटे सहित पीछे छोड़ दिया। दिवंगत पत्रकार गियासुद्दीन अहमद की मौत ने नगरबेरा क्षेत्र में सदमे की लहरें भेज दी हैं और नगरबेरा में पत्रकारों और परिवार के बीच निराशा का माहौल है।

श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में क्षुत पंचमी का आयोजन

गुवाहाटी। क्षुत पंचमी के पावन अवसर पर फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में क्षुत पंचमी पर्व विभिन्न धार्मिक आयोंजन के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। श्री दिगंबर जैन पंचायत (गुवाहाटी) के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश सेठी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार यह पर्व प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। जैन परंपरा के अनुसार क्षुत पंचमी पर्व ज्ञान की आराधना का महापर्व है। क्योंकि ज्ञान ही एक मात्र ऐसा अक्षय तत्व है जो कहीं भी, कभी भी, किसी भी अवस्था में और किसी भी काल में मनुष्य का साथ नहीं छोड़ता। यह पर्व जैन भाइयों को वीतरागी संतो की वाणी सुनने, आराधना करने और प्रभावना करने का संदेश देता है। इस अवसर पर जिनवाणी को गाड़ी में विराजमान कर ढोल-नगाड़ों के साथ एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में जैन बंधु, माताए, बहने एवं बच्चे अपने-अपने सिर पर मां जिनवाणी लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा के पश्चात मां जिनवाणी की पूजा-अर्चना की गई एवं श्री जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक एवं शांतिधारा कि गई। यह जानकारी समाज के प्रचार- प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

नगांव के कंदली में मिला युवक का शव हत्या की आशंका

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कंदली में एक युवक की बेरहमी से हत्या किये जाने का मामला सामने आया है। हत्या की वजह एक लड़की को छेड़ने का आरोप लगाते हुए दो युवकों द्वारा एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक युवक की पहचान कमल देउरी के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि मिली जानकारी के अनुसार पिछले बुधवार को कमल देवरी को आरोपी अजीत तांती और कार्तिक तांती ने लड़की को छेड़ने के आरोप में बुरी तरह पीटा था। गंभीर रूप से घायल कमल को चाय बागान के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। बाद युवक को घर भेज दिया गया। हालांकि, युवक का शव चाय बागान के बीचों-बीच बरामद किया गया। पीड़ित के परिजनों ने आरोप लगाया है कि हत्या के दोनों आरोपियों ने कमल देउरी की हत्या कर शव को रात में चाय बागान में फेंक दिया होगा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा ने मनाया अपना 41वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा ने अपना 41वां स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था विद्यालय संगीत *खोजे खोजे लिखो गाथा नतुन दिनर* का अनावरण। कक्षा नौवीं और दसवीं के छात्रों ने असमिया हस्तलिखित पत्रिका प्रस्तुत करके अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक ज्ञान का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान इस उल्लेखनीय उपलब्धि का भी अनावरण किया गया, जिससे समारोह में स्थानीय संस्कृति का स्पर्श जुड़ गया। विद्यार्थियों को प्रेरित करने एवं उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने हेतु पूरे दिन सुव्यवस्थित एवं रोचक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कला और शिल्प प्रदर्शनियों, फोटोग्राफी प्रदर्शनियों, टी-शर्ट और फेस पैंटिंग प्रतियोगिताओं को न केवल प्रतियोगिता के रूप में, बल्कि ऐसे मंच के रूप में भी पेश किया गया जो नवोदित फोटोग्राफरों और कलाकारों के बीच रचनात्मक क्षेत्र में रुचि पैदा करते हैं। कार्यक्रम के तहत स्कूल के दिवंगत संस्थापक कुलधर दास की स्मृति में 11 जून को तीसरी कुलधर दास शैक्षिक सेमिनार 2024 का आयोजन किया गया। इस वर्ष की संगोष्ठी *वैश्विक प्रवासन और वैश्विक संकट* विषय पर केंद्रित था। 7 और 8 जून को, कक्षा 12 वीं (समूह 2023-24 और 2024-25) के छात्रों ने स्कूल परिसर में मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एम यू एन) कार्यक्रम की योजना बनाई और कार्यान्वयन किया।

चोरी का वाहन बरामद चार चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस की टीम चोरी मामले की गुत्थी को सुलझाते हुए चोरी के वाहन समेत चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गणेश नगर इलाके के निकलोन फील्ड से चुराए गये वाहन (एएस-23डीसी-0547) को बीती रात बर्नीहाट से बरामद किया गया। इस मामले में चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार वाहन चोरों की पहचान मोहम्मद दिलबर अली (28, हाजो) को छयमाइल से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर अन्य तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अन्य तीन वाहन चोरों की पहचान नूर इस्लाम दीवान (काटाबरी), इब्राहिम अली (बर्नीहाट) और डेविड नोगरुम (खानापाड़ा) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस गिरफ्तार सभी वाहन चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

संपादकीय

गठबंधन के राजधर्म

प्रधानमंत्री मोदी समेत 72 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। उसी के साथ नई केंद्र सरकार का राजधर्म आरंभ हो गया। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की विविधता और ताकत का समारोह मनाने का क्षण है। यह चुनाव आयोग, अन्य संस्थानों, कर्मचारियों और प्रक्रिया का आभार जताने का भी पल है। देश के मतदाताओं ने जनादेश दिया है। गठबंधन की यह सरकार भी लोगों की इच्छा की प्रतीक है, क्योंकि गठबंधन में ही बहुमत और राजधर्म निहित हैं। चूंकि यह गठबंधन की सरकार है, किसी एक दल के पक्ष में बहुमत का जनादेश नहीं है, तो उसके मायने ये नहीं हैं कि गठबंधन की निरंतरता और स्थिरता का ही रोना रोया जाए अथवा बहानों के लिए गठबंधन की आड़ में छिपा जाए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही यह एनडीए-3 सरकार है और 2014 की निरंतरता में ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है और सरकार की स्थिरता गठबंधन के घटक दलों के सहारे ही है। बिल्कुल ऐसा भी नहीं है, क्योंकि जब 1991 में नरसिम्हा राव सरकार बनी थी, तब कांग्रेस के 232 सांसद ही थे। सरकार पूरे पांच साल चली, यह दीगर है कि कुछ कलंक और दाग लग गए थे, जो लोकतंत्र को बदनाम करते हैं। सदन में बहुमत साबित करने के लिए सांसदों को खरीदा गया था, कुछ को मंत्री पद का लालच दिया गया था। कमोबेश अब भाजपा के पास 240 सांसद हैं और कुछ निश्चित समर्थक भी हैं। बहुमत के लिए खरीद-फरोख्त की नौबत, शायद, न आए। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में हमें तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जद-यू की ही चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्हें भी समविचारक भारत सरकार की जरूरत है, जो उनकी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति कर सके। दोनों ही दलों के राज्य गरीब और विपन्न हैं। दोनों ही राज्य कर्जदार हैं। अन्य सरकार उनकी जरूरतों को संबोधित नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का राजधर्म यह है कि जब भी कोई बड़ा और गंभीर फैसला लेना हो, तो विमर्श की मेज पर सभी सहयोगी दलों के नेता मौजूद हों और फैसला सर्वसम्मति से किया जाना चाहिए। खुद प्रधानमंत्री ऐसी भावना व्यक्त कर चुके हैं। गठबंधन सरकारों के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह भी थे, जिन्होंने अपने कार्यकाल बखूबी निभाए। डॉ. मनमोहन सिंह तो 10 साल तक गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री रहे। दूरसंचार, पेंशन, सरकारी घाटे पर लगाम कसने की व्यवस्था, बिजली और बीमा क्षेत्र के कई बड़े सुधारवादी फैसले वाजपेयी सरकार के दौरान लिए गए। मनमोहन सरकार के दौरान अमरीका के साथ असैन्य परमाणु करार जैसे संवेदनशील फैसले के अलावा मनरेगा, खाद्य सुरक्षा, अनिवार्य-मुफ्त प्राथमिक शिक्षा, सूचना के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून आदि पारित कराए गए। इनके अलावा पेट्रोलियम उत्पादों को बाजार के हवाले करने सरीखे बड़े फैसले भी लिए गए। चूंकि अब भाजपा अल्पमत में है, लिहाजा एनडीए की गठबंधन सरकार, गठबंधन धर्म और मोदी सरकार के राजधर्म की अग्निपरीक्षा का यह दौर है। हालांकि हमें कोई बड़ा संकट या राजनीतिक दरारों के हालात नहीं लगते, क्योंकि आर्थिक विकास और आर्थिक सुधारों के पक्षधर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार भी हैं। फिर भी असली चुनौती तब सामने आएगी, जब प्रधानमंत्री टीडीपी और जद-यू दोनों को ही निर्णय की मेज पर बुलाएंगे और सर्वमत नहीं बन पाएगा। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को 'ऑर्गेनिक' और 'सफलतम' गठबंधन करार दिया है। वह जनादेश के मर्म को जानते हैं और अलग-अलग राज्य और दल की भिन्नता महसूस करते हैं, लिहाजा कुछ समझौतापरस्त होना भी अपेक्षित है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे केंद्र की कल्पना कर रहे हैं, जो राज्यों को अपने साथ लेकर आगे बढ़े और उनकी बात गौर से सुने। उन्होंने प्रतिस्पद्र्धी और सहकारी संघवाद के मॉडल की भी बात की है। राष्ट्र के मुद्दे पर सभी करीब आएं और एक साथ काम करें। इसी संदर्भ में विपक्ष की भूमिका की नई परिभाषा प्रधानमंत्री मोदी ने दी है।

देश के मतदाताओं ने जनादेश दिया है। गठबंधन की यह सरकार भी लोगों की इच्छा की प्रतीक है, क्योंकि गठबंधन में ही बहुमत और राजधर्म निहित हैं। चूंकि यह गठबंधन की सरकार है, किसी एक दल के पक्ष में बहुमत का जनादेश नहीं है, तो उसके मायने ये नहीं हैं कि गठबंधन की निरंतरता और स्थिरता का ही रोना रोया जाए अथवा बहानों के लिए गठबंधन की आड़ में छिपा जाए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही यह एनडीए-3 सरकार है और 2014 की निरंतरता में ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है और सरकार की स्थिरता गठबंधन के घटक दलों के सहारे ही है। बिल्कुल ऐसा भी नहीं है, क्योंकि जब 1991 में नरसिम्हा राव सरकार बनी थी, तब कांग्रेस के 232 सांसद ही थे। सरकार पूरे पांच साल चली, यह दीगर है कि कुछ कलंक और दाग लग गए थे, जो लोकतंत्र को बदनाम करते हैं। सदन में बहुमत साबित करने के लिए सांसदों को खरीदा गया था, कुछ को मंत्री पद का लालच दिया गया था। कमोबेश अब भाजपा के पास 240 सांसद हैं और कुछ निश्चित समर्थक भी हैं। बहुमत के लिए खरीद-फरोख्त की नौबत, शायद, न आए। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में हमें तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जद-यू की ही चिंता नहीं करनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी स्वयं की अपेक्षा से कम सीटें पाने में सफल रही, लेकिन एनडीए को सरकार बनाने का जनादेश जरूर मिला

विपक्ष की गारंटियों के बावजूद एनडीए को बहुमत

डा. अश्वनी महाजन

नरेंद्र मोदी की अगुआई वाला एनडीए पिछले दस सालों के अपने काम और प्रदर्शन पर वोट मांग रहा था, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन मोदी सरकार के दौरान महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर मतदाताओं के बीच जा रहा था। एक तरफ नरेंद्र मोदी 'जीवन को आसान बनाने' की गारंटी और अपनी नीतियों के साथ लोगों तक पहुंच रहे थे, जिसमें गरीबों के लिए आवास, अगले 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन, गरीबों के साथ-साथ 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत मुफ्त इलाज, किसान सम्मान निधि और दूसरी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना शामिल था।

2024 का आम चुनाव बेहद दिलचस्प रहा है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी स्वयं की अपेक्षा से कम सीटें पाने में सफल रही, लेकिन एनडीए को सरकार बनाने का जनादेश जरूर मिला है। एक तरफ नरेंद्र मोदी की अगुआई वाला एनडीए पिछले दस सालों के अपने काम और प्रदर्शन पर वोट मांग रहा था, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन मोदी सरकार के दौरान महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर मतदाताओं के बीच जा रहा था। एक तरफ नरेंद्र मोदी 'जीवन को आसान बनाने' की गारंटी और अपनी नीतियों के साथ लोगों तक पहुंच रहे थे, जिसमें गरीबों के लिए आवास, अगले 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन, गरीबों के साथ-साथ 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत मुफ्त इलाज, किसान सम्मान निधि और दूसरी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना शामिल था। लेकिन कांग्रेस जो कि इंडी गठबंधन की मुख्य पार्टी थी, वह पिछले चुनावों की तरह ही, हर गरीब परिवार को एक लाख रुपए की राशि, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, जाति आधारित सर्वेक्षण करके धन का पुनर्वितरण (जनसंख्या के अनुसार) आदि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में थी। इंडी गठबंधन में शामिल अन्य क्षेत्रीय दल भी मुफ्त योजनाओं का लालच देकर जनता को लुभा रहे थे। लेकिन ऐसा लगता है कि मतदाताओं ने मुफ्त योजनाओं के लिए वोट नहीं दिया और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को जीत दिलाई। यह साबित करता है कि भारत की जनता ने नरेंद्र मोदी के दस साल के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई नीतियों का समर्थन करके एनडीए को विजयी बनाया है, हालांकि उस भारी बहुमत के साथ नहीं, जिसका दावा सत्तारूढ़ गठबंधन कर रहा था, खासकर तीन बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में।

हम देखते हैं कि नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में गरीबों के लिए बड़ी संख्या में कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं, जिनके लाभार्थियों ने स्वाभाविक रूप से नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है। लाभार्थियों की बात करें तो 4 करोड़ गरीब परिवारों के लिए पक्के मकानों का निर्माण नरेंद्र मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। गौरतलब है कि जो गरीब परिवार पहले कच्चे या अर्ध-कच्चे मकानों में रहते थे, उनके लिए पिछले कुछ सालों में करीब 3 करोड़ ग्रामीण और एक करोड़ शहरी मकान बनाए गए। अगर पांच लोगों के परिवार को माना जाए तो करीब 20 करोड़ लोग इस योजना के लाभार्थी रहे हैं। समझा जा सकता है कि इस योजना ने उन गरीब परिवारों की कुशलता और जीवन स्तर में बड़ा बदलाव लाया है। स्वाभाविक रूप से एनडीए को इन लाभार्थियों का समर्थन मिला है। इसके साथ ही गरीबी के कारण एलपीजी कनेक्शन से वंचित 10 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत न सिर्फ धुएं से मुक्ति मिली है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी बड़ा बदलाव आया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन लाभार्थियों ने भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन किया है। वैसे तो महिला स्वाभिमान के प्रतीक शौचालयों के निर्माण को सामाजिक क्रांति माना जा सकता है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इस योजना के कारण खुले में शौच से मुक्त हुई महिलाओं का समर्थन भी मौजूदा सरकार चला रही पार्टियों को मिला होगा। लगभग पूरे देश को नल से जल और शत-प्रतिशत बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना किसी क्रांति से कम नहीं माना जा सकता। करीब 80 करोड़ आबादी को मुफ्त राशन और किसानों को 6 हजार रुपए प्रति वर्ष की राशि जारी रखने की गारंटी भी एक लोकप्रिय कदम माना जा रहा है। समझना होगा कि किसान सम्मान निधि को छोडक़र, जिसका असर करीब 75000 करोड़ रुपए प्रति वर्ष सरकारी खर्च पर पड़ता है, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही कोई भी अन्य योजना नकद वितरण वाली नहीं थी।

इससे पहले भी कांग्रेस ने किसानों के 70000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे और 2024 में भी इसी तरह की घोषणा की गई थी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने चुनाव जीतने के बाद हर गरीब परिवार को सालाना 72000 रुपए देने का वादा किया था और तब भी कांग्रेस को लोकसभा में सिर्फ 52 सीटें ही मिलीं। यानी तब भी लोगों ने कांग्रेस की नकद वितरण योजना को नकार दिया था। इस बार कांग्रेस ने चुनाव के दौरान हर गरीब परिवार को सालाना एक लाख रुपए देने का वादा किया था और इसका खूब प्रचार भी किया था। हालांकि, कांग्रेस के इस वादे के क्रियान्वयन को लेकर लोगों में काफी संदेह था और कांग्रेस की सीटें 52 से बढक़र, सरकार में शामिल होने के लिए जादुई संख्या से काफी कम 100 से कुछ कम ही रहीं। एक तरफ जनता द्वारा नकद वितरण योजना को नकारना और दूसरी तरफ मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं पर दिखाया जा रहा भरोसा, देश के मतदाताओं और लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है। देश ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह सच है कि पिछले 10 सालों में भारत की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर से बढक़र लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और देश दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढक़र 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन यह भी सच है कि हमारे देश में अमीर और गरीब के बीच असमानता अभी भी बनी हुई है। हालांकि, अत्यधिक गरीबी में काफी कमी आई है, लेकिन मोदी सरकार के पहले नौ वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के बावजूद बहुआयामी गरीबी से पीड़ित लोगों की संख्या वर्ष 2023 तक 12 करोड़ बनी हुई थी। यह सही है कि राजकोषीय सूझबूझ के कारण सरकार का पूंजी निवेश बढ़ रहा है, देश में बड़ी मात्रा में बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है, जिससे देश में लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और आम लोगों के जीवन को आसान बनाने में सफलता मिल रही है। दूसरी ओर, तकनीक का उपयोग करके ऑनलाइन लेन-देन दुनिया में कहीं और की तुलना में भारत में कहीं अधिक हो रहा है, सरकार अधिक से अधिक पेटेंट देने में भी सफल रही है, और अंततः वर्ष 2014 में केवल 4227 पेटेंट की तुलना में वर्ष 2024 में 1.03 लाख पेटेंट दिए गए, जो देश में नवाचार में विकास को दर्शाता है। हालांकि, उत्पादों के निर्माण में हमारी निर्भरता अभी भी विदेशों पर बनी हुई है। आत्मनिर्भर भारत नीति के तहत देश में विनिर्माण उत्पादन बढ़ाने के प्रयास भी फलीभूत हो रहे हैं, लेकिन इस दिशा में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता होगी, ताकि भारत पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन सके। देश में बढ़ती आबादी के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करने होंगे। यह सही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और रोबोटिक्स के कारण पारंपरिक रोजगार प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन तकनीक के साथ तालमेल बनाए रखना भी जरूरी होगा। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि मशीनों और एआई का इस्तेमाल उन क्षेत्रों में कम हो, जहां श्रम का बेहतर इस्तेमाल हो सकता है।

दृष्टि कोण

पिता ईश्वर तुल्य, उनकी सेवा ईश्वर भक्ति

पितृ दिवस बच्चों के लिए अपने पिता और पितातुल्य लोगों के प्रति सराहना दिखाने का दिन है। वयस्कों के लिए यह दिखाने का दिन है कि वे अपने जीवन में पिता और उनकी कड़ी मेहनत को कितना आदर देते हैं। पिता एक ऐसा शब्द है जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं की जा सकती है। बच्चे के लिए उसके पिता ही उसके महानायक होते हैं। बच्चा अपने पिता के साथ चलना और पहला कदम उठाना सीखता है। बचपन में उंगली पकड़ कर चलना और बाहों में रह कर बच्चे को बहुत सुकून मिलता है। रॉबर्ट ब्राउनिंग ने कहा है 'पिता से जी भर के प्यार ले लो, क्योंकि हमारी पृथ्वी एक मकबरा है, ईश्वर ने हमें विभिन्न रूपों में प्रेम भेजा है, और उनमें से एक हमारे पिता हैं।' पितृ दिवस एक उत्सव है जो पिता का सम्मान करता है और पितृत्व, पितृ बंधन और समाज में पिता के प्रभाव का जश्न मनाता है। यह दादा, बड़े भाई और ऐसे किसी भी पुरुष अभिभावक सहित अन्य पिता के सम्मान में भी मनाया जाता है। इसी संदर्भ में पूरे विश्व में हर साल जून के तीसरे रविवार को पितृ दिवस मनाया जाता है। 1966 में राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने प्रथम राष्ट्रपतीय घोषणा जारी कर जून महीने के तीसरे रविवार को पिताओं के सम्मान में पितृ दिवस के रूप में तय किया। 1972 में वह दिन आया जब राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए और यह एक स्थायी राष्ट्रीय छुट्टी बना। भारत में भी धीरे-धीरे इसका प्रचार-प्रसार बढ़ता जा रहा है। इसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती भूमंडलीकरण की अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है और पिता के प्रति प्रेम के इजहार के परिप्रेक्ष्य में भी। चाणक्य ने कहा है कि संस्कार के हिसाब से हर इनसान के पांच तरह के पिता होते हैं : विद्या देने वाला, भय से रक्षा करने वाला, जन्म देने वाला, उपनयन संस्कार करने वाला और अन्नदाता। भारतीय परंपरा में पिता का महत्व अतुलनीय है। संस्कृति, विचार, परवरिश, शिक्षा और संस्कार हमें अपने पिता से ही मिलते हैं। एक पिता को विभिन्न तरीकों से वर्णित किया जा सकता है। वह प्रदाता, रक्षक, उदारकर्ता, निर्माता और वह सब कुछ है। किसी ने ठीक ही कहा है कि 'अब तक का सबसे बड़ा उपहार परमेश्वर की ओर से आया था, मैं उसे पापा कहता हूं।' हमारे ग्रंथों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। उनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। एक अच्छा पिता होने का मतलब अपने बच्चों की शारीरिक जरूरतें पूरी करना ही नहीं है। इसमें उनके भावनात्मक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास के लिए उपस्थित रहना, संलग्न होना और प्रतिबद्ध होना शामिल है। एक अच्छे पिता की कमी बच्चों के आत्म-सम्मान, रिश्तों और समग्र कल्याण पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। जीवन का आधार ही पिता है। पिता से ही घर होता है। पिता ही जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। बिन पिता के जीवन नर्क सा लगता है। जिन लोगों के पापा जीवित हैं, वे लोग इस दुनिया के बहुत खुशनसीब लोग हैं। जिनके पापा नहीं हैं, वे लोग ही जानते हैं कि पिता के जाने के बाद उन लोगों ने किन-किन मुसीबतों का सामना किया है। 'यूं देखिए तो आंधी में बस एक सजर गया, न जाने कितने परिंदों का घर गया।' हर बच्चा अपने पिता से ही सारे गुण सीखता है जो उसे जीवन भर विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने के काम आते हैं। कुछ विशेषताएं होती हैं जो पिता जी को खास बनाती हैं। वे कठिन परिस्थितियों में धैर्य नहीं खोते हैं और धीरज से काम लेते हैं। वे सारे परिवार से प्रेम करते हैं, घर में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देते हैं। वे सारी जरूरतें और फरमाइशें भी पूरी करते हैं। वे गलतियों पर डांटते तथा माफ भी कर देते हैं और आगे गलती न करने की सीख भी देते हैं। उनका दिल बड़ा होता है, कई बार उनके पास पैसे भी नहीं होते हैं, फिर भी अपनी जरूरतें भूल कर परिवार की जरूरतों को पूरा करते हैं। संयम पिताजी की खूबसूरती होती है। वे हमेशा अपने आप पर नियंत्रण रखते हैं, वो हमेशा संयमित व्यवहार करते तथा कुशलता से हर कार्य को पूर्ण करते हैं। पिता जी हमेशा हमें अनुशासन में रहना सिखाते हैं और खुद भी अनुशासित रहते हैं। गंभीरता उनका गहना है। पिताजी घर के सभी कार्यों और परिवार के सभी लोगों और उनके स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होते हैं, परंतु खुद की कोई भी तकलीफ नहीं बताते। ये सारी विशेषताएं ही पिता की महानता को और अधिक बढ़ाती हैं। इसलिए उनकी तुलना दुनिया में किसी से भी नहीं की जा सकती। पिता प्रत्येक बच्चे के लिए धरती पर ईश्वर का साक्षात रूप होते हैं। वे अपनी संतान को सुख देने के लिए अपने सुखों को भुला देते हैं। बिना पिता के मां का सिंदूर व अस्तित्व नहीं होता। पिता का स्थान मां से नीचे नहीं होता। मां को याद करके चोट लगती है, तो पिता की जरूरत पडऩे पर याद आती है। परंतु माता-पिता एक-दूसरे के पूरक हैं, जरूरत हैं। एक-दूसरे के बिना वे अधूरे हैं। पिता और पुत्री के बीच इतना प्यार इसलिए होता है क्योंकि उन दोनों के बीच में एक रिश्ता है जो उन्हें पिता और पुत्री के बंधन में बांधता है। दूसरा, पिता की अपनी पुत्री के प्रति एक विशेष जिम्मेदारी होती है। बेटी की जिम्मेदारी को निभाते समय पिता कहते हैं : 'रो रहे थे सब तो मैं भी फूट-फूट कर रोने लगा, वरना मुझको बेटियों की रुखसती अच्छी लगी।' जब तक पिता जिंदा रहता है, बेटी मायके में हक से आती है। पिता के मरने पर बेटी हिम्मत हार जाती है, क्योंकि उस दिन उसका पिता ही नहीं उसकी वो हिम्मत भी मर जाती है। बेटी के लिए पिता दुनिया की सबसे बड़ी हिम्मत और घमंड होता है। पिता अपने बेटे के साथ मैत्रीपूर्ण और करीबी रिश्ता हासिल करना चाहता है। खिलौने से लेकर बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक, सारी मांगें पिता ही पूरी करता है। लेकिन एक समय ऐसा आता है कि जब भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में बच्चों के पास अपने माता-पिता के लिए समय नहीं होता। यह स्थिति भारतीय समाज को भी चिंतित करती है।

कुछ अलग

धनानंद अमर है...

धनानंद कभी नहीं मर सकता। धनानंद अमर है। हो सकता है कि आप मेरे इस कथन पर कहें कि मगध देश के नंद वंश का अंतिम राजा धनानंद सैंकड़ों बरस पहले चंद्र गुप्त के साथ हुए युद्ध में मारा गया था या उसकी पुत्री से विवाह करने के उपरांत चंद्र गुप्त ने उसे राजधानी से बाहर जाने की अनुमति दे दी थी। लेकिन ध्यान रखें कि धनानंद व्यक्ति नहीं, ऐसा चरित्र है जो अवसर और अनुकूल परिस्थितियां मिलते ही फूट पड़ता है। जिस तरह उपजाऊ ज़मीन में बीज डालते ही अंकुर फूट पड़ते हैं, उसी तरह सत्ता का खाद-पानी मिलते ही नए-नवेले शासक के भीतर से धनानंद की कोंपलें फूट पड़ती हैं और देखते-देखते ही आसमान छूने लगती हैं। यक़ीन न हो तो अपने आस-पड़ोस में नज़र दौड़ाएं। कुछ दिन पहले अपनी धनानंदी के चलते आगरा के डीएम को उनके एक बीडीओ ने जूते से नाप दिया था। भारत के विभिन्न राज्यों में हो रहा बुलडोज़र न्याय भी धनानंदी का प्रतीक है। अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए न्यायालय के आदेशों के बग़ैर उत्तराखंड के हलद्वानी और दिल्ली में गिराए मदरसे और मस्जिद धनानंदिया चरित्र के जीते-जागते सुबूत हैं। भारतीय इतिहास में झांक कर देखें तो धनानंदिया चरित्र नंद वंश से काफी पहले सामने आता है। हिरण्यकश्यप और कंस अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए भगवान विष्णु और कृष्ण से उलझ गए थे। पर इधर तो मामला ही कुछ और है। मौजूदा धनानंद भगवान विष्णु और कृष्ण के साक्षात अवतार हैं। दरअसल किसी भी शासन व्यवस्था में नवजात की तरह पैदा होने के बाद धनानंद उसे अपनी बपौती समझते हुए उस पर क़ाबिज़ हो सकता है या क़ाबिज़ होने के लिए आसमान को खींच कर ज़मीन पर लाने की कोशिश कर सकता है। भले वह लोकतंत्र ही क्यों न हो। बस कुरसी मिलनी चाहिए। फिर चाहे थूक के चाटना पड़े या चाट के थूकना। देश में पिछले दो दशकों से लोकसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को साधने के लिए जिस तरह मुरदों को जिलाया जा रहा है, उससे तो लगता है कि सरकार को भारत रत्न को दो श्रेणियों में बांट देना चाहिए। आम भारत रत्न और चुनावी भारत रत्न ताकि लोगों में संदेह की स्थिति उत्पन्न न हो। रोटी, कपड़ा, मकान और काम से जूझते लोग भले अपने आत्मसम्मान को ताक पर रखकर जीते रहें, लेकिन मृतकों के सम्मान में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। जहां तक भारत रत्न प्राप्त करने वालों के वारिसों के आत्म सम्मान का प्रश्न है, तो वह न कभी पुलिस की लाठियां खाकर कम होता है, न कभी सरकार द्वारा उनके बाप से बंगला छीनने पर और न कभी भारत रत्न से सम्मानित होने वाले शख़्स के जीवन काल में उस राजनीतिक दल द्वारा उसे अपमानित करने पर, जिसकी सरकार अब उन्हें सम्मानित कर रही है। कभी अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि कहने वाले एक भारत रत्नी के वारिस जयंत चौधरी ने गाल बजाते हुए कहा था कि वह कोई चवन्नी नहीं कि केन्द्र सरकार की जांच एंजेसियों के डर से भाजपा में शामिल हो जाए। लेकिन भारत रत्न के लिए अपने दादा के नाम की घोषणा के बाद जयंत जिस तरह से पिघला है, उससे लगता है कि उसकी क़ीमत इकन्नी से भी कम हो गई है। हिंदी फिल्म 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण द्वारा बोले गए डायलॉग 'एक चुटकी सिन्दूर की क़ीमत तुम क्या जानो, रमेश बाबू!' की तरह अब जयंत चौधरी का नया डायलॉग हो सकता है, 'एक चवन्नी क़ीमत तुम क्या जानो, नमो बाबू!' लेकिन भाजपा में शामिल होने की सहमति के बाद उसके चवन्नी से इकन्नी होने पर मैं भारत रत्न के मूल्य का निर्धारण नहीं कर पा रहा हूं।

देश दुनीया से

चीन को उसी की भाषा में जवाब देगा भारत, बदले जाएंगे तिब्बत के 30 स्थानों के नाम

चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलने को लेकर नई दिल्ली को संदेह है कि बीजिंग ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े राज्य अरुणाचल प्रदेश पर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाने के लिए ऐसा किया है। भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जिसे कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। सेना ने अपने लोगो के साथ प्रसारित विस्तृत ट्वीट में अरुणाचल प्रदेश के सात स्थानों के नाम बदलने को चुनौती दी है और चीन द्वारा जिन 30 स्थानों के नाम बदले गए, उनके विरोध का प्रयास कर रही है। अब उन्होंने तिब्बत के 30 स्थानों की एक सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है, तथा ऐतिहासिक अभिलेखों से भारतीय भाषाओं में उनके प्राचीन नामों को पुन: प्राप्त किया है।

भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने के चीनी कदम का जवाब देने के लिए 'जैसे को तैसा' अभियान चलाया है, यानी भारत भी तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलेगा। चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलने को लेकर नई दिल्ली को संदेह है कि बीजिंग ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े राज्य अरुणाचल प्रदेश पर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाने के लिए ऐसा किया है। भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जिसे कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। सेना ने अपने लोगो के साथ प्रसारित विस्तृत ट्वीट में अरुणाचल प्रदेश के सात स्थानों के नाम बदलने को चुनौती दी है और चीन द्वारा जिन 30 स्थानों के नाम बदले गए, उनके विरोध का प्रयास कर रही है। अब उन्होंने तिब्बत के 30 स्थानों की एक सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है, तथा ऐतिहासिक अभिलेखों से भारतीय भाषाओं में उनके प्राचीन नामों को पुनः प्राप्त किया है। इन पंक्तियों के लेखक के पास यह सूची उपलब्ध है, जो मीडिया के जरिये सार्वजनिक की जाएगी। यह भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य और विवादित सीमा के अन्य हिस्सों पर चीनी दावों के खिलाफ एक मजबूत जवाबी आख्यान प्रस्तुत करने के वैश्विक अभियान का हिस्सा है। अब चूंकि केंद्र में नई सरकार का गठन हो गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसलिए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के स्थानों का नाम बदलने का इस्तेमाल अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावे को खत्म करने के लिए बदले के तौर पर किया जाएगा। सैन्य अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि नए नाम व्यापक ऐतिहासिक शोध के आधार पर रखे जाएंगे। पूर्व खुफिया ब्यूरो के अधिकारी बेनु घोष, जिन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्षों काम किया है और जिन्हें पर्वतारोहण में भी दिलचस्पी है, कहते हैं, 'जब भी ऐसा होगा, यह भारत द्वारा तिब्बत के प्रश्न को फिर से उठाने की तरह होगा। जब से बीजिंग ने तिब्बत पर जबरन कब्जा किया है, तब से भारत ने इसे चीनी हिस्सा माना है, लेकिन अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण संबंधी आक्रामकता को कम करने के लिए अपना रुख बदलने को तैयार है।' भारतीय सेना ने हाल के हफ्तों में इन विवादित सीमावर्ती क्षेत्रों में मीडिया के कई दौरे आयोजित करवाए हैं तथा मीडिया को उन स्थानीय लोगों से बात करने का मौका दिया है, जो चीनी दावों का कड़ा विरोध करते हुए कहते हैं कि वे हमेशा से भारत का हिस्सा थे। नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर इस अभियान से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि भारत का 'अंतिम लक्ष्य क्षेत्रीय और वैश्विक मीडिया के माध्यम से विवादित सीमा पर भारत के जवाबी आख्यान को आगे बढ़ाना है, जो ठोस ऐतिहासिक शोध और स्थानीय निवासियों के जनमत पर आधारित है। गौरतलब है कि इसी वर्ष कुछ समय पूर्व अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए चीन ने इस राज्य में एलएसी के पास के 30 स्थानों का नाम बदल दिया। हांगकांग स्थित एक दैनिक के

अनुसार, प्रशासनिक प्रभागों की स्थापना और नामकरण के लिए जिम्मेदार चीनी असैन्य मामलों के मंत्रालय ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में 'मानकीकृत' भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की है, जिसे बीजिंग जंगनान कहता है। यह चौथी बार है, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का एकतरफा नामकरण किया है। इससे पहले उसने ऐसा वर्ष 2017, 2021 और 2023 में किया था। चीन द्वारा नाम बदले गए स्थानों की सूची में 11 आवासीय क्षेत्र, 12 पर्वतीय, चार नदियां, एक झील, एक पहाड़ी दर्रा और एक भूखंड है। इन नामों में चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षर हैं, जो मंदारिन चीनी का रोमन वर्णमाला संस्करण है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंत्रालय के बयान को उद्धृत किया है, जो कहता है कि 'भौगोलिक नामों के प्रबंधन पर राज्य परिषद (चीनी मंत्रिमंडल) के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार, हमने संबंधित विभागों के साथ मिलकर चीन के जांगनान में कुछ भौगोलिक नामों को मानकीकृत किया है।' बीजिंग ने वर्ष 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के कथित मानकीकृत नामों की पहली सूची जारी की थी, फिर वर्ष 2021 में 15 स्थानों की दूसरी सूची जारी की और उसके बाद वर्ष 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीनी कदम को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है और 'मनगढ़ंत' नाम रखने से यह वास्तविकता नहीं बदल जाती। वर्ष 2023 में तत्कालीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, 'हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसा प्रयास किया हो। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। मनगढ़ंत नाम रखने की कोशिशें इस सच्चाई को नहीं बदल पाएंगी।' अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावों को पुष्ट करने के लिए चीनी बयानों की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर भारत के समक्ष कूटनीतिक विरोध दर्ज कराने से हुई, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर निर्मित सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 23 मार्च को अरुणाचल प्रदेश पर चीन के बार-बार के दावे को 'हास्यास्पद' बताते हुए कहा कि यह सीमावर्ती राज्य 'भारत का स्वाभाविक हिस्सा' है। उन्होंने सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान में व्याख्यान देने के बाद अरुणाचल मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह कोई नया मुद्दा नहीं है। चीन के ये दावे शुरू से ही हास्यास्पद रहे हैं और आज भी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इस मामले में हम हमेशा से बहुत स्पष्ट और तार्किक रहे हैं। यह सीमा पर चल रही चर्चाओं का हिस्सा बनेगा।' कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत ने चीन को उसी की भाषा में जवाब देने का मन बना लिया है और जैसे को तैसा की रणनीति अपनाते हुए नाम बदलने के अभियान में शामिल हो गया है।

आप का नजरीया

अहमियत के दरवाजे

भारत में भविष्य और भविष्य में भारत देख रही भाजपा का सत्ता में लौटना जैसे ही 'एनडीए' हो गया, मंत्रिमंडल के कुनबे में कुछ चेहरे छंट गए। पांचवीं बार के सांसद और भाजपा की अग्रिम पंक्ति के युवा नेता अनुराग ठाकुर का पहली सूची में मंत्रिमंडल का सदस्य न बनना हिमाचल को हैरान करता है, हालांकि प्रदेश के ही जगत प्रकाश नड्डा अपनी अहमियत के दरवाजे पुनः मोदी मंत्रिमंडल में खोल चुके हैं। सवाल यहां उस अंक गणित का है जिसके तहत जनता ने चारों सीटें यानी सौ फीसदी जीत भाजपा के नाम इसलिए कर दी ताकि प्रदेश का रुतबा केंद्रीय सरकार में बढ़े। क्या यह अनुराग को सबक या नड्डा का फलक है या भाजपा के संगठन में ठाकुर की किश्ती तैर रही है। जो भी हो, बतौर सांसद व मंत्री अनुराग ठाकुर की उपलब्धियां निजी व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए श्रेष्ठ ही रही हैं। एक वही ऐसे सांसद हिमाचल के इतिहास में सामने आए जिन्होंने केंद्रीय प्रभाव से अपने विकास के मजमून सुदृढ़ कर दिए। खास तौर पर ऊना रेल परियोजना के मार्फत दौड़ रहीं दर्जन भर ट्रेनें, एम्स, हमीरपुर मेडिकल कालेज, ऊना में पीजीआई सेटेलाइट सेंटर, हमीरपुर में खेल परिसर, स्वां तटीकरण व बिलासपुर में हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना में उनकी खास भूमिका रही है। यह दीगर है कि वह हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ही मंत्री साबित हुए, वरना बतौर खेल मंत्री पूरा हिमाचली अपनी आबोहवा के बूते खेल राज्य बनने के तौर तरीके व वांछित ढांचा सुदृढ़ कर लेता। यहां कई ऐसे सियासी मंजर भी सामने आते हैं जहां हिमाचल की आंतरिक स्थिति केंद्रीय पदों के आबंटन में उलझती है। यह इसलिए भी कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का लंबा कार्यकाल व गुजरात के कोटे से राज्यसभा पहुंच कर जगत प्रकाश नड्डा कुछ उनके सांसद हो गए हैं, तो माना यह जा रहा है कि वह भाजपा के राष्ट्रीय महत्त्व के धूमकेतु हैं और रहेंगे। बतौर स्वास्थ्य मंत्री बिलासपुर एम्स निर्माण में उनके नाम की चर्चा हमेशा होगी, लेकिन बतौर मंत्री समूचे प्रदेश के लिए उनके योगदान में भी भारी कमी रही है। हिमाचल में भाजपा सियासत को पढने के लिए केंद्र की नजदीकियां तथा ओहदे खास महत्त्व रखते हैं। जब केंद्र में अनुराग के मंत्री पदों का आरोहण हो रहा था, तो जगत प्रकाश नड्डा के आभामंडल में पूरा कमल खिल रहा था। इन दो ध्रुवों के बीच सियासी प्रश्रय की सत्ता जिस शख्स के नाम हुई, वह जयराम ठाकुर इस दौरान हिमाचल के कर्ताधर्ता बने और मौजूदा चुनाव आते-आते खूब फूले फले। अंततः नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके पद और विपक्ष के मोर्चे पर पार्टी ने राज्यसभा में एक तथा लोकसभा में चार सांसद बढ़ाए हैं। इतना ही नहीं, विधानसभा में दो विधायक भी बढ़ रहे हैं, जबकि उपचुनावों में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस की जीत का तिलक अनुराग ठाकुर के लिए अब सीधा गणित नहीं है। पार्टी अपने संसदीय क्षेत्र में मोदी के नाम पर स्पष्टता से एक सीट जीत रही है, तो वही मतदाता उपचुनाव में दूसरी सलेट पर किस हिसाब से विधानसभा में कांग्रेस के पक्ष में जज्बात उंडेल रहा है। यह कैसा 'एकमत' जो केंद्र में मोदी को प्रधानमंत्री तो हिमाचल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री के नाम हो रहा है।

हरदोई सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुख

हरदोई (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद हरदोई में बीती देर रात सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब बालू लदा एक ट्रक मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे सो रहे लोगों पर अनियंत्रित होकर पलट गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख जताया है और अधिकारियों को राहत कार्य के निर्देश दिए हैं। कन्नौज के महेंदी घाट से एक बालू लदा ट्रक बीती देर रात हरदोई की ओर जा रहा था। ट्रक हरदोई जनपद के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के उन्नाव मार्ग से कटरा-बिल्हौर हाइवे पर चुंगी नंबर दो से गुजरते समय बेकाबू होकर सड़क किनारे झोपड़ी में सो रहे लोगों पर पलट गया। ये सभी अवधेश उर्फ बल्ला नट के परिवारीजन थे। हादसा इतना दर्दनाक था कि डंपर में लदे बालू और ट्रक के नीचे पूरा परिवार दब गया। हादसे के बाद इलाके के लोग बालू में दबे लोगों को निकालने में जुट गए। इस बीच सूचना मिलने पर मल्लावां थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा और घटना की जानकारी आलाधिकारियों को देते हुए क्रेन और जेसीबी मंगाकर रेस्क्यू आपरेशन चलाया। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद बालू और ट्रक के नीचे दबे अवधेश उर्फ भल्ला (45), उसकी पत्नी मुन्नी (42), बेटी सुनैना (11), बिलग्राम कासुपेट निवासी दामाद करन (25), उसकी पत्नी हीरो (22), लल्ला (5), बुद्धू (4), कोमल (5) और एक बच्ची बिट्टू को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने आठ लोगों को मृत घोषित कर दिया और बच्ची बिट्टू की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस बीच घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी की। जिलाधिकारी ने बताया कि बालू भरा ट्रक एक झोपड़ी पर पलट गया था। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम कराते हुए घटना के कारणों की जानकारी की जा रही है। हादसे के बाद पुलिस ने छिबरामऊ निवासी ट्रक चालक अवधेश और क्लीनर अनंग बेहटा निवासी रोहित को हिरासत में लिया है।

उपराष्ट्रपति पाकिस्तान बॉर्डर पर जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाएंगे

जैसलमेर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 13 जून से दो दिवसीय दौरे पर जैसलमेर आएंगे। इस दौरान वे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर जाएंगे और भीषण गर्मी में सरहद की रक्षा कर रहे जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाएंगे। इसके साथ ही वे तनोट माता मंदिर में विशेष पूजा अर्चना भी करेंगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के दौरे का मिनट-टू-मिनट यात्रा कार्यक्रम नहीं आया है, लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वे 13 जून को दोपहर 2.30 बजे विशेष विमान से दिल्ली से जैसलमेर के वायु सेना अड्डे पर पहुंचेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से भारत-पाक बॉर्डर स्थित तनोट माता मंदिर जाएंगे। तनोट माता मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उसी दिन सीमा सुरक्षा बल की बबलियानवाला पोस्ट का दौरा करेंगे।

उदयपुर सांसद रावत को जान से मारने की धमकी

उदयपुर (हिंस)। कुछ दिनों पूर्व जनजाति वर्ग से आने वाले कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को जान से मारने की धमकी मिली थी, अब जनजाति वर्ग से ही आने वाले उदयपुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद मन्नालाल रावत को जान से मारने की धमकी मिली है। यूट्यूब पर उनके एक इंटरव्यू के वीडियो के कमेंट बॉक्स में लिखा है, इसका कंगना की तरह गेम बजाना पड़ेगा। मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से उच्च स्तरीय कमेटी जांच में जुट गई है। इसको लेकर सांसद रावत ने एसपी को भी सूचना दी है। सोशल मीडिया पर यूट्यूब अकाउंट से एक कमेंट के जरिए रावत को धमकी दी गई है। इसमें लिखा है, कंगना रनौट की तरह गेम बजाना पड़ेगा। सांसद बनाकर गलती कर दी। यूजर ने लिखा है, बहुत जल्द ही उदयपुर में भी रगड़ा निकाल दिया जाएगा। तुम्हारी वाडिया (विसर्जन) उठने वाली है। उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने कहा कि मंगलवार देर रात मुझे किसी कार्यकर्ता ने इस बात की जानकारी दी। बुधवार सुबह उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय को इस मामले की जानकारी दी। सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे उदयपुर एसपी योगेश गोयल को पूरी जानकारी दी है। देश और राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनी है तो कुछ लोग बौखलाहट

में ऐसा कर सकते हैं। इसके पीछे कुछ सिरफिरे हो सकते हैं। गंभीरता से इसकी जांच करनी होगी। इसमें धमकी देने वाले की आईडी सबके सामने है। आरोपितों को वे नहीं जानते हैं।

रायबरेली, अमेठी के बाद लखनऊ में धन्यवाद यात्रा निकालेगी कांग्रेस

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा के रायबरेली और अमेठी में जनता को धन्यवाद किया गया। दोनों जनपदों में धन्यवाद यात्रा निकाली गई तो उत्साहित लखनऊ के महानगर अध्यक्ष अमित त्यागी ने विधानसभाओं में धन्यवाद यात्रा निकालने की घोषणा की है। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष अमित के अनुसार विधानसभा वार धन्यवाद यात्रा 13 से 15 जून तक निकाली जाएगी। 13 जून को लखनऊ पूर्वी विधानसभा में जगरानी हास्पिटल के पास रिंग रोड से धन्यवाद यात्रा आरम्भ होगी। लखनऊ कैंट विधानसभा में चित्रगुप्त नगर आलमबाग से अवध हॉस्पिटल होते हुए पूरन नगर तक यात्रा निकाली जाएगी। 14 जून को सरोजनीनगर विधान सभा में सुबहानी खेड़ा तेलीबाग से धन्यवाद यात्रा निकाली जाएगी और इसी दिन लखनऊ उत्तर विधानसभा में छोटा इमामबाड़ा पर एकत्रित होकर मुफ्तीगंज की तरफ होते हुए वापस सत्कंडा चौकी होते हुए घंटाघर तक धन्यवाद यात्रा चलेगी। 15 जून को लखनऊ पश्चिम विधान सभा में चौक मंडी चौराहा से धन्यवाद यात्रा चलेगी तो लखनऊ मध्य विधानसभा में भी चरक चौराहा चौक पर एकत्रित होकर नक्खास तिराहे तक और फिर अकबरी गेट होते हुए चौपटिया टेम्पो स्टैण्ड पर यात्रा समाप्त होगी। सभी विधानसभाओं में धन्यवाद यात्रा का समय सायंकाल 5 बजे रखा गया है।

जदयू कार्यकर्ताओं ने ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर के मंत्री बनाए जाने पर जताई खुशी

अररिया (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में जनता दल यूनाइटेड के प्रचंड जीत एवं सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं रामनाथ ठाकुर को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने पर जदयू कार्यकर्ताओं ने पीएम और सीएम दोनों को बैठक कर बधाई दी। बैठक के पश्चात जिला जदयू संगठन पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की गई एवं जिले में संगठन को लेकर जो समस्याएं हैं उनसे प्रदेश अध्यक्ष को रूबरू कराते हुए उसपर विचार विमर्श किया गया। बैठक में मुन्ना खान, जदयू युवा नेता सफाउर रहमान उर्फ लड्डू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आतंकी हमले से नाराज बजरंग दल और विहिप ने फूंका आतंकियों का पुतला

लखीमपुर खीरी। जम्मू-कश्मीर के शिव खोड़ी में हिंदू श्रद्धालुओं की बस पर हुए आतंकी हमले के विरोध में बजरंग दल व विहिप के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट गेट पर आतंकियों का पुतला फूंका और राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन डीएम महेंद्र बहादुर सिंह को सौंपा। बजरंग दल के जिला संयोजक आनंद दीक्षित ने इस दौरान बताया कि जम्मू-कश्मीर में वैष्णों देवी कटरा से शिव खोड़ी जाते समय 9 जून को हिंदू श्रद्धालुओं की बस पर पाकिस्तान पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों का कायराना हमला किया, जिसमें 10 निर्दोष तीर्थयात्री मारे गए। यह संपूर्ण देशवासियों को स्तब्ध करने वाली घटना है। इस क्रूरतम दुष्कृत्य से पूरा देश आहत है और

तीव्र आक्रोश में है। जम्मू-कश्मीर लंबे समय से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का दंश झेल रहा है। धारा 370 हटने के बाद एक आशा की ज्योति जगी है, लेकिन लगता है कि आतंकवादियों का मनोबल अभी कम नहीं हुआ है। हिंदुओं को चिन्हित करके उनकी हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। इन सब के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। देश की नई सरकार के शपथ के समय इस प्रकार का दुस्साहसिक कृत्य करके इस्लामी आतकवादियों ने देश के संप्रभुता को चुनौती दी है। बजरंग दल ने इस कायराना कृत्य की तीव्र निंदा की और इसके विरोध में कलेक्ट्रेट गेट पर आतंकियों का पुतला भी फूंका। बजरंगदल आपसे निवेदन करता है, इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए निर्णायक और कठोर कदम उठाने का केंद्र सरकार को निर्देश दें तथा इस प्रकार के तत्वों को सरंक्षण देने वाले आंतरिक व विदेशी तत्वों का भी कठोरता से समुचित इलाज हो। जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। ज्ञापन देने वालों में विश्व हिंदू परिषद से विपुल सेठ, विजय सिंह भदोरिया सहित बजरंग दल से पंकज जयसवाल, अनुज तिवारी मनोज कुमार पांडे, नितेश शुक्ला, सुशील शुक्ला, अनूप सिंह, पप्पू, ब्रजकिशोर अवस्थी, दिनेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया जमाई षष्ठी का पर्व

भागलपुर (हिंस)। जिले भर में बंगाली समाज के लोगों ने बुधवार को जमाई षष्ठी का पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर बंगाली समाज के लोग अपने जमाई एवं बेटी को आमंत्रित कर अपने घर बुलाते हैं और उनका आरती कर उनका स्वागत किया जाता है। तरह-तरह के पकवान बनाकर जमाई को भोजन कराया जाता है। साथ ही उन्हें उपहार आदि देकर विदाई दी जाती है। यह पर्व प्रतिवर्ष जेठ मास के शुक्ल पक्ष षष्ठी को मनाया जाता है। इस पर्व को जमाई डॉक्टर हिमाद्री शंकर, अमृता शंकर, मिश्रा शंकर, हृधान शंकर, चंदन शर्मा, उत्तम शर्मा आदि ने धूमधाम से मनाया।

अग्निवीर योजना बंद न हो, इसमें सुधार होना चाहिए

लखनऊ (हिंस)। केंद्र सरकार ने 14 जून 2022 को भारत की तीनों सेनाओं थलसेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। अग्निवीर स्कीम लागू होते ही विवादों में आ गई थी। इस स्कीम में सिर्फ 4 साल की सर्विस को विपक्ष ने युवाओं के साथ धोखा बताया। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने अपने चुनावी कैंपेन में अग्निवीर स्कीम को मुख्य मुद्दा बनाया है। अब पता चला है कि देश की सेना भी एक इंटर्नल सर्वे कर रही है, अग्निवीर योजना में क्या सुधार किया जा सकता है, इसे लेकर कई तरह के सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। देश में जब से अग्निवीर योजना लागू हुई है, इस पर जमकर बहस देखने को मिल रही है। इसी मुद्दे पर *हिंदुस्थान समाचार* ने समाज के हर वर्ग से बात करके जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की। लखनऊ निवासी कारपोरेट मैनेजर मोहित शर्मा के अनुसार, अग्निवीर योजना देश हित में है। अग्निवीरों की सेवाशर्तों को बेहतर बनाया जा सकता है। देश की सेनाओं को युवाओं की सख्त आवश्यकता है। बंद करने की बजाए इसमें सुधार किया जाए। सैनिक ही देश की असली ताकत हैं। लखनऊ में बिजनेस मैनजमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर आभा प्रसाद के अनुसार, अग्नि वीर योजना बंद नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार की यह योजना बेरोजगारी दूर करने के लिए अच्छा कदम है। इससे युवाओं व गरीब वर्ग का आर्थिक रूप से विकास हुआ है। सरकार को इस योजना में सामाजिक सुरक्षा के उपायों को और मजबूत करना चाहिए। लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र प्रतीक मिश्रा कहते हैं कि अग्निवीर योजना को बंद करना उचित नहीं होगा। इस योजना में सुधार कर पच्चीस फीसदी के स्थान पर पचास फीसदी को स्थाई रूप से नियुक्ति दी जा सकती है। रक्षा अनुसंधान पर खर्च में बढ़ोतरी करनी चाहिए। हिंदुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) लखनऊ से सेवानिवृत्त लेखाधिकारी जनेश्वर तिवारी के मुताबिक, सेना में ज्यादा से ज्यादा युवाओं की जरूरत है। इस योजना से युवा अनुशासन, नेतृत्व और तकनीकी कौशल सीख रहे हैं। सरकार अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित करने की पूरी कोशिश कर रही है। उन्हें रिटायरमेंट पर 25 लाख रुपए मिलते हैं। राज्य पुलिस सेवा और अन्य कुछ सेवाओं में प्राथमिकता दी जाती है। अग्निवीर योजना बंद नहीं होनी चाहिए। समाज सेवी कमल पाल के अनुसार, चयनित युवा इसी मानसिक तनाव में रहता है कि चार साल बाद उसका भविष्य क्या होगा। संविदा में रहते हुए भी देश सेवा के लिए वह जान भी दे दे तो भी उसे शहीद का दर्जा तक नहीं मिलता। इसके अलावा कुशल सैनिकों की कमी एवं सैन्य अस्थायित्व जैसे मुद्दे सेना की कार्यकुशलता को भी प्रभावित कर रहे हैं। योजना में सुधार होना चाहिए। गृहणी रजनी तिवारी के अनुसार, अग्निवीर योजना को बंद कर देना ही उचित होगा। यह योजना सैनिकों के लिए स्थायी रोजगार और पेंशन की गारंटी नहीं देती। इससे उनकी सुरक्षा और भविष्य अनिश्चित हो जाता है। इसके अलावा, यह योजना पारंपरिक सेना भर्ती प्रक्रिया में बदलाव लाती है, जिससे भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और योग्यता पर सवाल उठते हैं। रजनी कहती हैं, सुनने में आया है कि सरकार इस योजना में कुछ बदलाव करने वाली है। ये अच्छी खबर है। डेयरी व्यवसाय से जुड़े रामनिवास यादव के अनुसार, सैनिक बनने के लिये कड़ी मेहनत और समय लगता है। तभी उनमें देशभक्ति और समर्पण की भावना आती है। मात्र छह महीने की ट्रेनिंग से कोई सैनिक नहीं बन सकता।

सचिन पायलट विश्वप्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में कल को देंगे संबोधन देंगे

जयपुर (हिंस)। इंग्लैंड में स्थित विश्वविख्यात ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट को विशेष रूप से अपने विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है। चौदह जून को भारत के शाम 6.30 बजे (इंग्लैंड में दोपहर दो बजे) ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पायलट वहां के प्रोफेसर आंनदी मणि और माया ट्यूडर द्वारा आयोजित चर्चा में युवाओं तथा अध्यापकों से संवाद करेंगे। ऑनलाइन माध्यम से या उपस्थित रह कर इस चर्चा का हिस्सा बनने के लिए लिंक पर आवश्यक विवरण और रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध है।

चतरा में एनटीपीसी की राख ढुलाई के खिलाफ महिलाओं ने विधायक आवास का किया घेराव

चतरा (हिंस)। एनटीपीसी के राख ढुलाई के खिलाफ टंडवा के ग्रामीण कई दिनों से आंदोलरत हैं। राहम गांव में महिलाओं ने बुधवार को सड़क पर उतरकर राख की ढुलाई को बंद करा दिया। महिलाओं ने टंडवा स्थित सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास के आवास का घेराव किया और धरने पर बैठ गईं। महिलाओं ने राख ढुलाई को रोकने, ढुलाई में लगे सौरभ सागर, मोदी, नोकर्स, पीएम इंफ्रा, ट्यूटोरियल नामक कंपनियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी प्रबंधन आम लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जब से टंडवा में बड़ी परियोजनाओं का संचालन हो रहा है तब से यहां की बड़ी आबादी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही है। रूबी देवी का कहना था कि एनटीपीसी के छाई से लोगों के जनजीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा

है। इसके बाद विधायक ने चतरा डीसी रमेश घोलप और एसडीओ सन्नी राज को मोबाइल पर सूचना देकर वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद एसडीओ ने ट्रांसपोर्टर्स को राख की ढुलाई दिन में नहीं करने, नियमित पानी छिड़काव, ट्रक हाइवा में त्रिपाल लगाने का सख्त निर्देश दिया। इसके बाद महिलाओं ने राहत की सांस ली।

मुख्यमंत्री नीतीश ने 29 मंत्रियों को सौंपा जिलों का प्रभार

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मंत्रियों को विभिन्न जिलों की जिम्मेदारी दी है। इस संबंध में नीतीश की पार्टी जदयू ने बुधवार को इसकी सूची जारी की है। कुल 29 मंत्रियों को अलग-अलग जिलों का प्रभार दिया गया है। सूची के अनुसार उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पटना और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर और भोजपुर जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। जदयू के वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी को पूर्णिया और नालंदा जिलक का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। जिलों के प्रभारी मंत्रियों में बिजेन्द्र प्रसाद यादव वैशाली, डॉ. प्रेम कुमार नवादा, श्रवण कुमार समस्तीपुर और मधेपुरा, संतोष कुमार सुमन औरंगाबाद, सुमित कुमार सिंह सारण, रेणु देवी सिवान, मंगल पांडे दरभंगा एवं बेगुसराय के नाम शामिल हैं। इनके अलावा नीरज कुमार सिंह कटिहार, अशोक चौधरी सीतामढ़ी एवं जहानाबाद, लेशी सिंह मधुबनी, मदन सहनी सुपौल, नीतीश मिश्रा अररिया एवं गया, नीतीन नवीन बक्सर एवं कैमुर, डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल सहरसा, महेश्वर हजारी खगड़िया, शीला कुमारी शेखपुरा एवं लखीसराय, सुनील कुमार पूर्वी चंपारण, जनक राम पश्चिमी चंपारण, हरी सहनी अरवल, कृष्णनंदन पासवान गोपालगंज, जयन्त राज रोहतास, मो. जमा खान किशनगंज एवं शिवहर, रत्नेश सादा जमुई, केदार प्रसाद गुप्ता मुंगेर, सुरेन्द्र मेहता बांका और संतोष कुमार सिंह भागलपुर के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं।

अलग-अलग छापेमारी में मिले सबूतों का हेमंत सोरेन से जुड़ाव : हाईकोर्ट

रांची (हिंस)। झारखंड हाई कोर्ट में भूमि घोटाले के आरोपित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। ईडी ने बहस के दौरान कहा कि हेमंत सोरेन का जुड़ाव उन सबूतों से है, जो ईडी की अलग-अलग छापेमारी में मिले हैं। ईडी की बहस सुनने के बाद अदालत ने हेमंत सोरेन के अधिवक्ता को लिखित बहस जमा करने का निर्देश दिया। ईडी की बहस गुरुवार को भी होगी। कोर्ट में ईडी ने कहा कि बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानू प्रताप के ठिकाने से दस्तावेजों से भरा हुआ जो ट्रंक बरामद हुआ था, उसमें कई ऐसे कागजात मिले थे, जो भूमि घोटाला से ही संबंधित थे। विनोद सिंह के मोबाइल से जो चैट और नक्शा बरामद हुआ था, उसके मुताबिक 8.86 एकड़ भूमि पर बैंकवेट हॉल बनाए जाने की तैयारी थी।

बकरीद को देखते हुए अकबर नगर में बुलडोजर को गति बढ़ाने के निर्देश

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ विकास प्राधिकरण के कई बुलडोजर चार दिनों से अकबर नगर में गरज रहे हैं। मध्यम गति से गरज रहे बुलडोजर को बकरीद को देखते हुए गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी में कुकरैली नदी की जमीन को खाली कराने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण के बुलडोजर लगातार कार्य कर रहे हैं। बुधवार को नदी की जमीन पर बसाये गए अकबर नगर को खाली कराने के लिए बुलडोजर मैदान में उतर गए। इस दौरान कुछ मकानों में महिला-पुरुष दिखाए दिए तो उन्हें चेतावनी देकर मकान खाली कराये गए। एक महिला के अपने मकान छोड़ने को तैयार ना होने पर उसे महिला पुलिसकर्मियों ने जबरदस्ती हटाया। फिर भी वह महिला मौके पर डटी रही और कुछ मिनटों तक वहां हंगामा मचा रहा। इसी बीच वहां अकबर नगर के लोगों ने उस महिला को समझाने की कोशिश की। अंत में उस महिला को उसके परिजन वहां से ले गए। अभी भी अकबर नगर में एक दर्जन के करीब मकानों में लोग डटे हुए हैं। वे अपने मकान छोड़कर नहीं जा रहे हैं। उनका कहना है कि अकबर नगर में पैदा हुए हैं और यही दम तोड़ देंगे लेकिन अपने मकान नहीं छोड़ेंगे। अकबर नगर क्षेत्र की बिजली काट दी गई है। वे भीषण गर्मी में अपने मकान में पड़े हुए हैं। यहां से जाने वाले नहीं हैं। वहीं लखनऊ विकास प्राधिकरण को बकरीद तक अवैध मकानों को जमीदोज करने के निर्देश मिले हैं। बुलडोजर के माध्यम से बुधवार से अगले तीन दिनों तक तेजी से कार्य होना है। मौके पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, सचिव, अपर सचिव समेत नगर निगम और लखनऊ पुलिस के अधिकारियों का भी आवागमन लगा हुआ है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर डीएम ने जागरूकता वाहन को किया रवाना

पूर्वी चंपारण (हिंस)। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने को लेकर बुधवार को जिला प्रशासन एवं श्रम संसाधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जागरूकता वाहन को डीएम सौरव जोरवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन पूर्वी चंपारण जिले के सभी प्रखंडों में बाल श्रम के रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करेंगा। मौके पर डीएम ने कहा कि बाल श्रम एक अभिशाप है और यह राष्ट्र की प्रगति में बाधक है। क्योंकि बच्चे राष्ट्र की भविष्य हैं। बाल श्रम से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है। ऐसे में आज हम सबको यह संकल्प लेना चाहिए कि हम बाल श्रम के विरुद्ध आवाज उठाएंगे और बच्चों को उचित शिक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने का प्रयास करेंगे। उन्होने कहा कि बाल श्रम रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं। बाल श्रम के विरुद्ध श्रम संसाधन विभाग की धावा दल के द्धारा लगातार छापेमारी कराई जा रही है, बच्चों से मजदूरी कराने वाले पकड़े भी जा

रहे हैं। डीएम ने कहा कि बाल श्रम को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। श्रम अधीक्षक सत्यप्रकाश ने कहा कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया है, उन्होने बाल श्रम के रोकथाम के लिए बेहतर कार्य करने के लिए राज्यस्तर पूर्वी चंपारण जिला को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होने बताया कि जिला प्रशासन एवं श्रम संसाधन विभाग बाल श्रम के विरुद्ध कटिवद्ध है। अगामी दिनो में व्यापक स्तर अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन व श्रम संसाधन विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

सड़क दुघर्टना में चार लोगों की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के सुपौल जिले में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी। घटना मंगलवार देर रात एनएचई 327 में मेन रोड खादी भंडार के पास हुई। यहां बालू लदे 18 चक्का ट्रक और सवारी लदे ऑटो की सीधी टक्कर हो गई, जिसमें चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना में ऑटो सवार दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ विपिन कुमार, अंचल निरीक्षक सत्य नारायण राय, प्रभारी थानाध्यक्ष राहुल कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों जख्मी लोगों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें मधेपुरा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है और शवों को थाना लाया गया, जहां पंचनामा बनाकर मोर्चरी एंबुलेंस से उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया। ट्रक और ऑटो के बीच हुई टक्कर इतनी जोरदार थी की घटना में ऑटो के परचखे उड़ गए।

जुलाई में आएगा पूर्ण बजट! सरकारी नौकरीपेशा और महिलाओं के लिए खुलेगा खजाना

नई दिल्ली।
मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट जुलाई के पहले या तीसरे सप्ताह में आ सकता है। पहले पूर्ण बजट में महिलाओं-किसानों और युवाओं के लिए सरकार खजाना खोल सकती है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के नए उपाय बजट में दिखाई दे सकते हैं, तो महिलाओं को लखपति बनाने की भाजपा की योजना को आगे बढ़ाने के लिए सरकार भारी निवेश की घोषणा कर सकती है। केंद्र सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के इलाज के लिए बड़ी घोषणा भी कर सकती है। इसके लिए एक माह का सत्र बुलाया जा सकता है। चुनावी वर्ष होने के कारण फरवरी माह में सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया था जिसमें किसी बड़ी घोषणा से दूरी बरती गई थी।

रोजगार के मोर्चे पर सबसे अहम प्रयास

केंद्र सरकार के लिए आने वाले वर्षों में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सबसे बड़ी चुनौती रहने वाला है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार एक बार फिर सड़क परिवहन, बंदरगाह, रेल, विभिन्न शहरों में मेट्रो, मोनोरेल और हवाई अड्डों के विकास को अपनी प्राथमिकता में रख सकती है। स्टार्टअप और स्किल इंडिया के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए विकास देना सरकार की प्राथमिकता रह सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर छूट की सीमा पहले ही काफी अधिक है, लिहाजा इसे और ज्यादा बढ़ने की संभावना नहीं है। लेकिन सरकारी नौकरी पेशा लोगों की बचत बढ़ाने के लिए जीवन बीमा निगम और शेयर बाजार सहित विभिन्न योजनाओं में निवेश के बाद उन्हें और ज्यादा टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

ग्रीन बजट पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के एक करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए केंद्रीय बजट में बड़े निवेश की घोषणा की जा सकती है। इससे सौर ऊर्जा सेक्टर में तेजी आ सकती है, तो लोगों को स्वच्छ हरित ऊर्जा प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसका असर भी केंद्र सरकार के पूर्ण बजट पर दिखाई दे सकता है।

बड़े निवेश से अर्थव्यवस्था को मिलेगी तेज रफ्तार आर्थिक मामलों के जानकार डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही गरीबों के लिए तीन करोड़ नए मकान बनाने की घोषणा कर दी है। पहले पूर्ण बजट में इस योजना के लिए भारी धनराशि जारी की जा सकती है। इस राशि के बाजार में आने से सीमेंट, स्टील, पेंट्स, ईंट, वाहन, फर्नीचर सहित लगभग 50 क्षेत्रों में तेजी आ सकती है।

चूंकि, केंद्र सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण इलाकों में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने की अधिक है, लिहाजा इस योजना का अधिकतम हिस्सा ग्रामीण इलाकों में जा सकता है। इससे ग्रामीण इलाकों में रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी। विशेषकर आदिवासी बहुल इलाकों में गरीबों को आवास देना सरकार की प्राथमिकता में रह सकता है।

न्यूज ब्रीफ

नौकरी से निकाला तो कुछ ऐसे लिया कंपनी से बदला, प्रोग्रामिंग सीख कंपनी के 180 सर्वर किए ठप

सिंगापुर। एक भारतीय को दो साल छह महीने की जेल हुई। उसने अनाधिकृत तरीके से 180 वर्चुअल सर्वर को नष्ट किया था, जिस कारण से उसके नियोक्ता को 918,000 सिंगापुरी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। 39 वर्षीय कंदुला नागराजू को सजा सुनाई गई। इससे पहले भी अक्तूबर 2022 को एनसीएस ने उसे खराब प्रदर्शन के कारण निकाल दिया था। जिसके बाद 16 नवंबर 2022 को उसकी नौकरी चली गई। नवंबर 2021 और अक्तूबर 2022 में कंदुला एनसीएस में गुणवत्ता आश्वासन कंप्यूटर सिस्टम का प्रबंधन करने वाली 20-सदस्यीय टीम का हिस्सा था। यह सूचना संचार और प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है। कंदुला की पूर्व टीम जिस सिस्टम का प्रबंधन कर रही थी, उसका इस्तेमाल लॉन्च से पहले नए सॉफ्टवेयर और प्रोग्राम का परीक्षण करने के लिए किया जाता था। इसमें 180 वर्चुअल सर्वर शामिल थे। उन पर कोई संवेदनशील जानकारी नहीं थी। एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अदालती कागजों के अनुसार कंदुला को नौकरी के निकालने के बाद वह काफी परेशान था। उसे लगता था कि उसका प्रदर्शन अच्छा है, अपनी नौकरी के दौरान उसने अच्छा योगदान किया। लेकिन निकाले जाने के बाद उसके पास कोई अन्य नौकरी नहीं थी, वह भारत लौट आया। जहां से उसने अपने लैपटॉप का इस्तेमाल करके एडमिनिस्ट्रेटर लॉगिन क्रेडेंशियन के इस्तेमाल से सिस्टम पर अनाधिकृत रूप से कब्जा किया। पिछले साल 6 जनवरी से 17 जनवरी के बीच छह बार उसने यही किया। वहीं फरवरी में एक नौकरी की तलाश में सिंगापुर वापस लौटा। उसने एक पूर्व एनसीएस सहकर्मी से एक किराए पर कमरा लिया।

सेज से निर्यात चार फीसदी बढ़कर 164 अरब डॉलर पहुंचा, देश के कुल एक्सपोर्ट में 3 प्रतिशत से अधिक गिरावट

नई दिल्ली। देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) से निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 4.10 फीसदी बढ़कर 163.69 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, इस अवधि में देश के कुल निर्यात में तीन फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सेज से 2022-23 में 157.24 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। 2021-22 में यह आंकड़ा 133 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय के मुताबिक, सेज से जिन देशों को सर्वाधिक निर्यात किया गया, उनमें संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर शामिल हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रमुख निर्यात केंद्र हैं, जिन्होंने पिछले वित्त वर्ष में देश के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान दिया। इन राज्यों में सर्वाधिक सेज परिचालन वाले सबसे अधिक विशेष आर्थिक क्षेत्र कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में है। इन क्षेत्र की इकाइयों को तैयार माल पर वर्तमान में शुल्क के भुगतान पर डीटीए (घरेलू शुल्क क्षेत्र) में अपने उत्पाद बेचने की अनुमति है। 30.70 लाख लोगों को मिला है रोजगार मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में 31 दिसंबर, 2023 तक 6.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई। आज दोनो ही धातुओं की

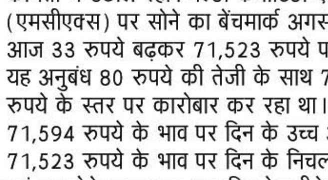

वायदा कीमतों में तेजी रही। कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव 71,600 रुपये वहीं चांदी के वायदा भाव 89,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 33 रुपये बढ़कर 71,523 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 80 रुपये की तेजी के साथ 71,570 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ये 71,594 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,523 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर पहुंचा था। वहीं चांदी की वायदा कीमतों की शुरूआत में आज बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 587 रुपये की तेजी के साथ 89,250 रुपये पर खुला।

मस्क ने ओपनएआई पर किया केस वापस लिया, अब सीईओ ऑल्टमैन लेंगे चैन की सांस

वॉशिंगटन।
चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई और उसके सीईओ सैम ऑल्टमैन के लिए एक अच्छी खबर है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने फरवरी में दर्ज कराए मुकदमे को वापस ले लिया है। दरअसल, अरबपति उद्यमी मस्क ने आरोप लगाया था कि ओपनएआई ने मानवता के फायदे के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विकसित करने के अपने मूल मिशन को पीछे छोड़ दिया। अब वह सिर्फ पैसा कमाने पर ध्यान दे रही है। एलन मस्क का आरोप था कि कंपनी ने लोगों की भलाई के लिए एआई सिस्टम बनाने के अपने लक्ष्य के साथ समझौता किया है।

यह मुकदमा विशेष रूप से ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन के खिलाफ दर्ज कराए गए थे। इसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी एक ओपन-सोर्स यूनिट बने रहने के बजाय, माइक्रोसॉफ्ट की एक क्लोज-सोर्स सहायक कंपनी में बदल गई है।

सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में दाखिल एक फाइलिंग के अनुसार, मस्क के वकीलों ने कैलिफोर्निया राज्य की अदालत से फरवरी में दायर मुकदमे को खारिज करने के लिए कहा। हालांकि अभी तक यह सामने नहीं आया है कि उन्होंने मामले को वापस लिए जाने का कारण क्या दिया। दिलचस्प बात यह है कि आज एक सुपीरियर कोर्ट के जज मुकदमे को रद्द करने के लिए ओपनएआई का पक्ष भी सुनने वाले थे।

पहले खुद थे को-फाउंडर

मस्क ने बिना किसी पूर्वाग्रह के केस को वापस ले लिया है। इसका यह मतलब भी हो सकता है कि वह इसे कभी भी फिर से दायर कर सकते हैं। मुकदमा ओपनएआई को लेकर मस्क के लंबे समय से चले आ रहे विरोध का नतीजा है। मस्क इस स्टार्टअप के को-फाउंडर थे। मस्क के अलग होने के बाद ओपनएआई को माइक्रोसॉफ्ट से अरबों डॉलर की फंडिंग मिली और आज यह जेनेरिक एआई का चेहरा बन गया है।

ओपनएआई ने भी लगाए थे गंभीर आरोप

कुछ महीनों पहले ओपनएआई ने अदालत में दायर याचिका में तर्क दिया था कि मुकदमा गलत दावों पर आधारित है। इसमें मस्क द्वारा अपने खुद के एआई के फायदे के लिए ओपनएआई को नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। ओपनएआई के वकीलों ने कहा था कि ओपनएआई ने जो कमाल की एडवांस टेक्नोलॉजी हासिल की है, उसे देखकर मस्क भी वही सफलता अपने लिए चाहते हैं। इसके जवाब में मस्क ने अप्रैल में दायर की गई कोर्ट फाइलिंग में कहा था कि ओपनएआई गलत और विवादित तथ्यों पर मुकदमे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

ओपनएआई की टेक्नोलॉजी को सार्वजनिक कराना चाहते हैं मस्क

मुकदमे में मस्क ने न्यायाधीश से अपील की थी कि वह ओपनएआई को अपने रिसर्च और टेक्नोलॉजी को पब्लिक के लिए उपलब्ध कराने के लिए मजबूर करें। साथ ही इस अपील में स्टार्टअप को माइक्रोसॉफ्ट और दूसरों के फाइनेंशियल बेनिफिट के लिए जीपीटी -4 सहित अपने ऐसेट्स या संपत्तियों का उपयोग करने से रोकने की भी बात कही गई थी। बताते चलें कि मस्क ने पिछले साल जुलाई में अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप की शुरुआत की है।

कई कंपनियों को पीछे छोड़ा

चैट जीपीटी ने बहुत कम समय में पूरी दुनिया में काफी लोकप्रियता हासिल की है। इसने गूगल, सैमसंग और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों को भी पीछे छोड़ दिया है। मस्क ने लंबे समय से माना है कि एजीआई मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। ऑल्टमैन साल 2019 में ओपनएआई के सीईओ बने थे। ओपनएआई ने 22 सितंबर 2020 को माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक समझौता किया, जिसमें विशेष रूप से माइक्रोसॉफ्ट को उसके जेनरेटिव प्रीट्रेन्ड ट्रांसफार्मर (जीपीटी) -3 लैंग्वेज मॉडल का लाइसेंस दिया गया था।

नवंबर 2022 में लॉन्च किया गया था ओपनएआई का चैटबॉट

चैटजीपीटी ओपनएआई का चैटबॉट है, जिसे नवंबर 2022 में लॉन्च किया गया था। लॉन्च होने के बाद चैटजीपीटी छह महीने के भीतर दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला सॉफ्टवेयर ऐप्लिकेशन बन गया। चैटजीपीटी ने माइक्रोसॉफ्ट, अल्फाबेट और कई स्टार्टअप्स के कॉम्पिटिटर चैटबॉट्स के लॉन्च को भी बढ़ावा दिया। अपनी शुरुआत के बाद से चैटजीपीटी को कई कंपनियों ने अपने डॉक्यूमेंट की समराइजिंग करने से लेकर कंप्यूटर कोड लिखने तक कई तरह के कामों के लिए अपनाया है। जिससे बड़ी टेक कंपनियों के बीच जेनरेटिव पर आधारित अपनी पेशकश लॉन्च करने की होड़ शुरू हो गई है।

पहली बार मत्स्य उत्पादन से आगे निकली जलीय कृषि, 13.09 करोड़ टन तक हुई पैदावार

नई दिल्ली।
वैश्विक स्तर पर पहली बार जलीय कृषि उत्पादन पारंपरिक मत्स्य पालन से आगे निकल गया है। शीर्ष 10 देशों जिनमें चीन, इंडोनेशिया, भारत, वियतनाम, बांग्लादेश, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, नॉर्वे, मिस्र और चिली शामिल हैं, इनका जलीय कृषि उत्पादन में लगभग 90 फीसदी योगदान है। जलीय कृषि का अर्थ मछली, मोलस्क, क्रस्टेशियंस और जलीय पौधों सहित जलीय जीवों की खेती से है।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर 2024' में कहा कि 2022 में जलीय कृषि उत्पादन 13.09 करोड़ टन तक पहुंच गया, जिसमें 9.44 करोड़ टन जलीय जीव थे जो कुल जलीय पशु उत्पादन का 51 फीसदी के बराबर है। जलीय कृषि उत्पादन में वृद्धि के कारण मोलस्क और क्रस्टेशियन की हिस्सेदारी में भी वृद्धि हुई है। साल 2022 में पकड़ी गई 75 प्रतिशत फिनफिश में से आधी समुद्री प्रजातियां थीं, जबकि 44 फीसदी मीठे या ताजे पानी की प्रजातियां थीं। समुद्री फिनफिश भी उत्पादित कुल जलीय जीवों का 38 फीसदी हिस्सा थीं और उसके बाद मीठे पानी की मछलियां 33 फीसदी थीं। लगातार बढ़ रही है मछली की खपत रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में मछलियों की खपत तेजी से बढ़ रही है।1961 और 2016 के बीच 3.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है।जबकि इस दौरान जनसंख्या 1.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 में विश्व स्तर पर जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन में मछलियों की हिस्सेदारी 17 फीसदी रही। हालांकि यह सभी देशों के लिए एक बराबर नहीं। दुनिया में इनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 1961 में 9.1 किलोग्राम थी, जो 2022 तक बढ़कर 20.7 किलोग्राम हो गई। दुनियाभर को भोजन उपलब्ध कराने में सक्षम एफएओ के सहायक महानिदेशक मैनुअल बारंगे कहते हैं कि जलीय कृषि दुनिया भर में बढ़ती जनसंख्या को भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है। यह पिछले पांच दशकों में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली खाद्य उत्पादन प्रणाली रही है।

बीमा कंपनियां दस्तावेजों की कमी की वजह से दावों को खारिज नहीं कर सकतीं, इरडा की दो टूक

नई दिल्ली।
इरडा ने कहा कि ग्राहकों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से समझ में आने वाले बीमा उत्पादों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही ग्राहकों को पर्याप्त विकल्प देने का भी मौका दिया गया है।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियां को दावों को लेकर सख्त हिदायत दी है। इरडा ने कहा कि साधारण बीमा कंपनियां दस्तावेजों की कमी की वजह से दावों को खारिज नहीं कर सकतीं। इस संबंध एक मास्टर परिपत्र जारी किया गया है। यह साधारण बीमा व्यवसाय में सुधारों का हिस्सा है। माना जा रहा है कि इससे सरल और ग्राहक केंद्रित बीमा समाधानों के लिए एक नए युग की शुरुआत होगी। बतायास जा रहा है कि साधारण बीमा कारोबार पर व्यापक मास्टर परिपत्र, 13 अन्य परिपत्र को भी निरस्त करता है।

समझ में आने वाले बीमा उत्पादों का प्रावधान इरडा ने कहा कि ग्राहकों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से समझ में आने वाले बीमा उत्पादों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही ग्राहकों को पर्याप्त विकल्प देने का भी प्रावधान किया गया है। वहीं उनके बीमा अनुभव को बेहतर बनाना भी अब संभव हो गया है। परिपत्र में कहा गया है कि दस्तावेजों के अभाव में कोई भी दावा अस्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रस्ताव की स्वीकृति के समय जरूरी दस्तावेजों को मांगना चाहिए। परिपत्र में क्या खास इसके मुताबिक, ग्राहकों से केवल उन दस्तावेजों को जमा करने के लिए कहा जा सकता है, जो जरूरी हैं और दावा निपटान से संबंधित हैं। इसके अलावा खुदरा ग्राहक बीमाकर्ता को सूचित करके किसी भी समय पॉलिसी रद्द कर सकते हैं।

नए कलेवर में रफ़्तार भरने को तैयार है नई स्विफ्ट अब 3 सिलिंडर इंजन के साथ आती है नई कार

नई दिल्ली।
भारतीय बाजार में फिर से नई स्विफ्ट नए रंग रूप के साथ रफ़्तार भरने को तैयार है। पहले स्विफ्ट में 1.2 लीटर का 4 सिलिंडर इंजन आता था, लेकिन अब यह 3 सिलिंडर इंजन के साथ आती है। मारुति द्वारा स्विफ्ट में इंट्रोड्यूस किया गया झेड सीरीज एक नया इंजन है। ख़ास बात यह है कि ये एक बेहतरीन थ्री सिलिंडर इंजन है, जो रिफाइन तो है ही और इसका रिस्पांस भी काफ़ी अच्छा है। यह इंजन कंपीटिशन में आने वाले थ्री सिलिंडर इंजन से काफ़ी बेहतर है। ना तो ज़्यादा शोर करता है, ना ही ज़्यादा वाइब्रेशन। हमे इस गाड़ी चलाने का मज़ा मैन्युअल गियरबॉक्स के साथ आया हालाँकि एएमटी भी अच्छा है। अगर आप इस गाड़ी को ख़रीदना चाहते है तो दोनों की टेस्ट ड्राइव ज़रूर लें। स्विफ्ट 2024 में आपको 6 एयरबैग, 3 पॉइंट सीटबेल्ट वह भी सारे पैसेंजर्स के लिए, हिल होल्ड एसिस्ट, एबीएस प्लस ईबीडी और इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट्स भी मिलते हैं। यानी की ये अब पहले से ज़्यादा सेफ है। इसके इलावा इसमें कनेक्टेड फ़ीचर्स भी दिए हुए है। अगर आपको एक ऐसी हैचबैक चाहिए जो अपने सेगमेंट में सबसे ज़्यादा माइलेज दे तो आप स्विफ्ट ख़रीद सकते हैं। स्विफ्ट लवर है तो आप पुरानी स्विफ्ट को नयी स्विफ्ट से रिप्लेस कर सकते हैं।

इसका नया डिज़ाइन क़ाबिले तारीफ़ है और इंटीरियर भी स्मार्ट लुकिंग है, चलने तो बढ़िया है ही, हो सकता है रफ़्तार पसंद लोगों को इंजन थोड़ा कमजोर लगे और मौजूदा 4 सिलिंडर इंजन के मुक़ाबले पावरफुल महसूस ना हो फिर भी यह एक बेस्ट थ्री सिलिंडर इंजन है। आप यह भी सोच सकते हैं कि स्विफ्ट का प्राइस मारुति सुजुकी बलेनो के आस पास है और उसे ख़रीदना चाहें, लेकिन यक़ीन माने स्विफ्ट का अपना एक चार्म है। नई स्विफ्ट का डिज़ाइन पहले जैसा ही है लेकिन ये पहले से और भी ज्यादा शॉर्प हो गई है। इसमें नया बंपर, नए डिज़ाइन का रेडिएटर ग्रिल दिया गया है। नए हेडलैंप और फॉग-लैंप भी कार के फ्रंट को बिल्कुल फ्रैश लुक देते हैं। वहीं इसके प्राइज की बात करें तो यह 6.49 लाख रुपये से शुरू होकर 9.65 लाख रुपये एक्स शोरूम तक जाता है। मैन्युअल गियरबॉक्स के साथ नई स्विफ्ट लगभग 24.80 किमी प्रति द्य और एएमटी के साथ आपको 25.75 किमी प्रति द्य की माइलेज देगी।

कृषि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ड्रोन की भूमिका, 2025 तक 7000 से अधिक ड्रोन्स प्रयोग होंगे

मुंबई।
सरकार पिछले कुछ सालों से कृषि क्षेत्र में फसल के लिए जमीन की मापी, पोषक तत्व, उर्वरक और सिंचाई जैसी गतिविधियों के लिए ड्रोन को बढ़ावा दे रही है। इसलिए मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की मांग में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। उद्योग के अनुमान के अनुसार वर्तमान में कृषि क्षेत्र में 3,000 से अधिक के ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 तक यह संख्या 7,000 से अधिक सकती है। जानकारों का कहना है कि इससे पानी, मिट्टी के पोषक तत्वों और फसल सुरक्षा फॉर्मूलेशन के सही इस्तेमाल से फसल की उत्पादकता को बढ़ाने में काफी सहायता होती है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन्स हैं मददगार

ड्रोन निर्माता कंपनी दक्षा अनमैंड सिस्टम्स के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025 के अंत तक सरकार के समर्थन से ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ सकता है। इसके इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में पानी का उपयोग 70 प्रतिशत तक कम हो सकता है। साथ ही ड्रोन्स उर्वरक के उपयोग में भी 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी लाने में मदद करेंगे। उद्योग जगत का मानना है कि वर्तमान में कृषि क्षेत्र में 3,000 से अधिक के ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है, वित्त वर्ष 2025 तक यह संख्या 7,000 से अधिक हो सकती है। ड्रोन निर्माताओं के अनुसार फिलहाल ड्रोन्स की कीमतें 6 से 7 लाख रुपये के बीच हैं। नैनो यूरिया और डाय-अमोनियम फॉस्फट (डीएपी) को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख सहकारी संस्था इफको ने जुलाई 2023 में नैनो मिट्टी पोषक तत्वों का छिड़काव करने के लिए 2500 ड्रोन की खरीदारी करने की घोषणा की थी। सहकारी संस्था ने जानकारी देते हुए बताया था कि इन्हें ऑपरेट करने के लिए 5000 ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षण दी जा रही है।

कृषि के अलावे अन्य उद्योगों में भी ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़ेगा

ड्रोन उपकरणों को संचालित करने वाली और ड्रोन पायलट्स को प्रशिक्षण देने वाली कंपनी ड्रोन डेस्टिनेशन के प्रबंध निदेशक चिराग शर्मा भी इस नए उद्योग के भविष्य को लोकर आशान्वित हैं। वे बताते हैं कि अगले कुछ सालों में कृषि के साथ अन्य उद्योगों के परिचालन में भी ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़ेगा। आने वाले समय में विभिन्न उद्योगों में ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़कर 10,000 से 15,000 तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए 5000 ड्रोन पायलट्स को प्रशिक्षित किया है। हम नमो ड्रोन दीदी योजना का हिस्सा हैं। इसके तहत कंपनी ने अभी तक 600 से अधिक ड्रोन दीदी को प्रशिक्षित किया है। शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में ड्रोन संचालन और रखरखाव से जुड़ी सेवाओं में भी बढ़ोतरी होगी।

ड्रोन दीदी योजना के तहत 600 से अधिक महिलाएं की गईं प्रशिक्षित

नमो दीदी योजना या ड्रोन दीदी योजना की शुरुआत नवबंर 2023 में हुई थी। इसके तहत सरकार महिलाओं की कृषि क्षेत्र में हिस्सेदारी को बढ़ाना चाहती है। इस योजना के अंतर्गत सरकार 1,261 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अगले कुछ वर्षों में इस रकम को खर्च किया जाना है। इस योजना के तहत सरकार की तरफ से 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस योजना को देश भर में कृषि विज्ञान केन्द्रों के जरिए लागू किया गया है। देश भर में लगभग 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं। इसके तहत ड्रोन डेस्टिनेशन ने अभी तक 600 से अधिक ड्रोन दीदी को प्रशिक्षित किया है।

34 गेंदों में मैच खत्म, नामीबिया टीम को होना पड़ा शर्मशार

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 24वें मैच में नामीबिया को विशाल अंतर से पटखनी दी। एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 17 ओवर में 72 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने केवल 34 गेंदों में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत रही और उसने सुपर-8 में एंट्री कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा केवल दक्षिण अफ्रीका की सुपर-8 में जगह पक्की कर पाया है। वैसे, ऑस्ट्रेलिया और नामीबिया के बीच मुकाबला रिकॉर्ड्स के नजरिये से यादगार बन गया है। कंगारू टीम ने केवल 34 गेंदों में मैच खत्म करके रिकॉर्ड्स बुक को हिलाया। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जंपा का सुपरहिट शो रहा। चलिए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले के अंदर लक्ष्य हासिल किया। वो आईसीसी की दूसरी पूर्ण सदस्य टीम बन गई है, जिसने पावरप्ले के अंदर लक्ष्य हासिल करके मैच खत्म किया। इससे पहले श्रीलंका ने 2014 में नीदरलैंड्स को पावरप्ले के अंदर लक्ष्य हासिल करके मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में गेंद बचने के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम दर्ज है, जिसने 2014 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 90 गेंदें शेष रहते मैच जीता था। एडम जंपा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 100 शिकार पूरे किए। जंपा टी20आई में 100 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। वो टी20 में 100 विकेट लेने वाले दुनिया के 15वें गेंदबाज और छह में से एक लेग स्पिनर बने। एडम जंपा टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। जंपा ने टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 31 विकेट चटकाए। उन्होंने मिचेल स्टार्क (29) को पछाड़ा। एडम जंपा ने पांचवीं बार टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड लेकर खास क्लब में एंट्री की। जंपा अब महेला जयवर्धने, क्रिस गेल और शेन वॉटसन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड विराट कोहली (7 बार) के नाम दर्ज है। नामीबिया ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया। इससे पहले उनका सबसे छोटा स्कोर श्रीलंका के खिलाफ 2021 टी20 वर्ल्ड कप में 96 रन था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नामीबिया सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली टीम बन गई है। इससे पहले 2021 टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया ने 73 रन पर समेटा था। नामीबिया के कप्तान गरहार्ड इरासमस के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ। इरासमस ने 17 गेंदों के बाद खाता खोला। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा गेंदों के बाद खाता खोलने का अनचाहा रिकॉर्ड इरासमस के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन्या के तन्मय मिश्रा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 गेंदों के बाद अपना खाता खोला था।

न्यूज ब्रीफ

टी20 विश्व कप में अबतक हावी रहे हैं गेंदबाज

न्यूयार्क । अमेरिका में पहली बार खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक गेंदबाज हावी रहे हैं। यहां तक कि टीम की जीत भी गेंदबाज ही तय कर रहे हैं। अभी तक केवल ऑस्ट्रलियाई टीम ही यहां 200 के आंकड़े तक पहुंच पायी है। वहीं अधिकतर टीम 150 रनों के अंदर ही सिमटी हैं। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया है। फिर चाहे सामने कमजोर टीम हो या बराबरी के स्तर वाली। सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है। वहीं भारत के जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट लेकर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्नील बार्टमैन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन वीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी और कोच टी के चथुन्नी का निधन, 79 की आयु में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी और कोच टी के चथुन्नी का बुधवार सुबह केरल के निजी अस्पताल में निधन हो गया। 79 वर्षीय आयु में दिग्गज ने अंतिम सांस ली। वह कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। डिफेंडर के तौर पर प्रतिष्ठित संतोष ट्रॉफी में केरल और गोवा के लिए खेलने वाले चथुन्नी भारतीय फुटबॉल के बेहतरीन कोचों में से एक थे। अपने खेल करियर के बाद चथुन्नी ने कोचिंग की ओर रुख किया। 40 से अधिक वर्षों तक खेल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। उन्होंने मोहन बागान, डेम्पो गोवा और एफसी कोचीन सहित कई प्रसिद्ध टीमों को कोचिंग दी। फुटबॉल माई सोल नामक आत्मकथा लिखी 1979 में वे केरल की संतोष ट्रॉफी टीम के कोच बने। चथुन्नी ने फुटबॉल माई सोल नामक एक आत्मकथा भी लिखी, जिसमें उन्होंने फुटबॉल से उनके जीवन और करियर पर होने वाले प्रभाव के विषय में लिखा। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने याद किया कि चथुन्नी चार दशकों तक खिलाड़ी और कोच के रूप में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और वी डी सतीसन ने जताया शोक वहीं, चथुन्नी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने कहा, जब भारतीय फुटबॉल का इतिहास बताया जाएगा, तो चथुन्नी सबसे आगे रहेंगे।

अल्कारेज ने एफिल टॉवर का टैटू बनवाया

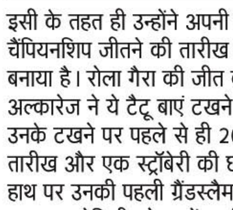

पेरिस । फ्रैंच ओपन खिताब जीतने से उत्साहित स्पेन के कार्लोस अल्कारेज का लक्ष्य अब एक जुलाई से विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करना रहेगा हालांकि अभी वह ग्रैंड स्लैम खिताबों का जश्न मनाने में लगे हैं। इसी के तहत ही उन्होंने अपनी पहली फ्रेंच ओपन चैंपियनशिप जीतने की तारीख और एफिल टॉवर का टैटू बनाया है। रोला गैरा की जीत को याद रखने के लिए अल्कारेज ने ये टैटू बाएं टखने के पास बनवाया है। उनके टखने पर पहले से ही 2023 विंबलडन जीत की तारीख और एक स्ट्रॉबेरी की छवि बनी है। उनके बाएं हाथ पर उनकी पहली ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी की तारीख है जो 2022 अमेरिकी ओपन में आई थी। अल्कारेज जिस गति से आगे बढ़ रहे हैं उससे ऐसा लगा है कि आने वाले समय में उनके पास टूटू के लिए जगह कम पड़ जाएगी। उन्होंने हालांकि कहा है वह अपने करियर के बाकी समय में हर ग्रैंडस्लैम जीत की तारीख अपने शरीर पर नहीं लिखेंगे। इसकी जगह वह सबसे अहम टूर्नामेंट में से प्रत्येक के पहले खिताब की तारीखों तक ही सीमित रहेंगे। इसका मतलब है कि वह अब केवल ऑस्ट्रेलिया ओपन की तारीख अंकित करवाएंगे। 21 साल के अल्कारेज क्ले, ग्रास और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। इसके अलावा वह 19 साल की उम्र में एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे उन्होंने कहा, ''मेरा खेल हर सतह के अनुकूल है क्योंकि मैं उसका अभ्यास करता रहता हूं।'' उन्होंने सबसे पहले क्ले कोर्ट पर खेल सीखा।

बेईमानी से हारी टीम इंडिया ! एआईएफएफ ने कतर के विवादास्पद गोल की जांच की मांग की

नई दिल्ली।
अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मैच आयुक्त को शिकायत करके दोहा में विश्व कप क्वालिफाइंग के अपने महत्वपूर्ण मुकाबले में कतर को विवादास्पद गोल देने की जांच की मांग की है। एआईएफएफ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने गोल की अच्छी तरीके से जांच की मांग की है। जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत को कतर के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

इस मैच में फुटबॉल के आउट ऑफ प्ले होने के बावजूद कतर के खिलाड़ियों ने उसे गोल पोस्ट में पहुंचाया। यानी गेंद गोल पोस्ट के बगल में निर्धारित लाइन से बाहर जा चुकी थी। हालांकि, इससे खेल रोकने की बजाय कतर के खिलाड़ियों ने पहले तो इसे किक से मैदान के अंदर भेजा और फिर दूसरे खिलाड़ी ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। भारतीय टीम के विरोध के बावजूद रेफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी। इस बेईमानी वाले गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इसने 2026 के फीफा विश्व कप के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में पहुंचने से वंचित कर दिया।

एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बताया, हमने मैच आयुक्त को शिकायत की है और पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है। ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाए। अब यह देखने वाली बात होगी कि रेफरी इस पर क्या फैसला लेते हैं।

क्या हुआ था

मैच के 73वें मिनट में अब्दुल्लाह अलाहरक की फ्री किक पर यूसेफ आयमेन ने हेडर लगाने का प्रयास किया जिसे भारतीय कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक दिया। तब गुरप्रीत मैदान पर गिर गए और इस दौरान गेंद खेल के मैदान से बाहर चली गई। कतर के हाशमी हुसैन किक मारकर गेंद को दोबारा खेल के मैदान में ले आए और आयमेन ने गोल कर दिया। नियमों के मुताबिक, गेंद के खेल के मैदान से बाहर जाने के कारण खेल रोका जाना चाहिए था और कतर को कॉर्नर किक मिलनी चाहिए थी क्योंकि गुरप्रीत गेंद के बाहर जाने से पहले उससे संपर्क करने वाले आखिरी खिलाड़ी थे।

इसके बाद जब रेफरी ने कतर को गोल दे दिया तो भारतीय खिलाड़ी निराश हो गए और मेहमान टीम के कड़े विरोध के बावजूद रेफरी अपने फैसले पर बरकरार रहे। नियमों के मुताबिक, अगर गेंद गोल लाइन या टचलाइन से जमीन पर या हवा में पूरी तरह से बाहर निकल जाती है तो उसे खेल से बाहर यानी आउट ऑफ प्ले माना जाता है। भारत के कोच इगोर स्टिमक ने बाद में निराशा जताते हुए कहा कि इस गोल ने उनकी टीम के सपने को खत्म कर दिया। वहीं, भारतीय टीम के कप्तान गुरप्रीत ने भी इसे दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा करार दिया।

हमारे साथ अन्याय हुआ

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि कतर के खिलाफ मैच में उनके साथ अन्याय हुआ जिसके कारण टीम का विश्व कप क्वालिफाइंग के तीसरे दौर में पहुंचने का सपना टूट गया।भारतीय टीम लालियानजुआला चांगटे के 37वें मिनट में किये गए गोल की बदौलत 73वें मिनट तक आगे चल रही थी। हालांकि, विवादास्पद गोल के बाद भारतीय टीम की लय प्रभावित हुई और एशियाई चैंपियन कतर ने 85वें मिनट में अहमद अल रावी की बदौलत अपना दूसरा गोल कर दिया।

उन्होंने कहा, आज की फुटबॉल में ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि एक गोल से पूरे मैच का पासा पलट जाता है। ऐसा कतर के खिलाफ भी हो सकता था। मैं कोई बहाना नहीं बना रहा हूं। मैं बहुत बुरा महसूस कर रहा हूं क्योंकि आपके 23 खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की और वह कुछ हासिल करने का सपना देख रहे थे, लेकिन उनका सपना टूट गया क्योंकि हम इस तरह की घटनाओं को नहीं रोक सकते हैं।

भारतीय कोच ने खिलाड़ियों की प्रशंसा की, लेकिन साथ ही कहा कि टीम को पहले हाफ में तीन गोल करने चाहिए थे। स्टिमक ने कहा, भारत के सभी फैंस को टीम पर गर्व करना चाहिए। हमने कतर की मजबूत टीम के खिलाफ मैच के अधिकतर हिस्से में नियंत्रण बनाए रखा। कई अवसरों पर भारतीय टीम ने कतर से बेहतर खेल दिखाया। हमें पहले हाफ में ही तीन गोल करके मैच अपने पक्ष में कर देना चाहिए था, लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिसकी भारतीय फुटबॉल में कमी नजर आती है।

दुनिया में रोनाल्डो जितना खतरनाक कोई खिलाड़ी नहीं सुनील छेत्री

नई दिल्ली।
यूरो कप 2024 नजदीक है और पिछले दो दशकों की तरह इस बार भी सबकी नजरें क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर होंगी, जो पुर्तगाल के सबसे महान खिलाड़ी हैं। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इतना ही नहीं उन्हें युवा स्ट्राइकर गोंकालो रामोस ने कई बार टीम में रिप्लेस भी किया। टूर्नामेंट से पहले, भारत के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने एक खास बातचीत में टीम में रोनाल्डो की भूमिका और महत्व के बारे में बात की। छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह उतनी तेजी से टर्नअराउंड न कर पाएं और डिफेंसिव न खेल पाएं, लेकिन एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम सितारों से सजी है। वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर रख सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने आगे कहा, मुझे पूरा यकीन है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा, लेकिन रोनाल्डो का होना हमेशा टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस मौके को गोल में तब्दील करने का माद्दा रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री यूईएफए यूरो 2024 के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के स्टूडियो शो फुटबॉल एक्स्ट्रा में विशेषज्ञ पैनलिस्ट हैं। यूईएफए यूरो 2024 को 15 जून, दोपहर 12:30 बजे से सोनी स्पोर्ट्स टेन 2 एसडी और एचडी, सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 एसडी और एचडी (हिंदी), सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 एसडी और एचडी (तमिल / तेलुगु), सोनी स्पोर्ट्स टेन 5 एसडी और एचडी (मलयालम / बंगाली) पर लाइव देख सकते हैं।

हरभजन सिंह के गुस्से से कामरान अकमल को हुआ अपनी गलती का एहसास, माफी मांगते हुए कही अपनी दिल की बात

नई दिल्ली।
पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सिख संप्रदाय के लिए दिए विवादास्पद बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। अकमल के बयान पर काफी बवाल मचा था। याद दिला दें कि पाकिस्तान के एक टीवी चैनल पर बतौर पेनलिस्ट शामिल कामरान अकमल ने अर्शदीप सिंह को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद उन्हें काफी खरी-खरी सुननी पड़ी थी।

टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कामरान अकमल को जमकर लताड़ लगाई थी। पता हो कि अकमल ने कहा था, कुछ भी हो सकता है। 12 बज गए हैं। यह वीडियो रिपोस्ट करते हुए हरभजन सिंह ने पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज को जमकर सुनाई थी। दरअसल, कामरान अकमल की यह टिप्पणी सिख संप्रदाय के प्रति अपमानजनक थी। भज्जी के गुस्से के बाद कामरान अकमल को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर माफी मांगी। अकमल ने ट्वीट किया, मुझे

अपनी हालिया टिप्पणियों पर गहरा खेद है और मैं ईमानदारी से हरभजन सिंह और सिख संप्रदाय से माफी मांगता हूं। मेरे शब्द अनुचित और अपमानजनक थे। मैं दुनिया भर के सिखों का अत्यंत सम्मान करता हूं और मेरा इरादा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। मैं सचमुच क्षमा चाहता हूं।

ससम्मान समाफी। बता दें कि अर्शदीप सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 19वें मुकाबले में आखिरी ओवर डाला था। पाकिस्तान को जीत के लिए 18 रन की दरकार थी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 11 रन खर्च किए और भारत को रोमांचकारी मुकाबले में 6 रन से जीत दिलाई। पाकिस्तान का इस हार के बाद सुपर-8 में पहुंचना मुश्किल हो गया है।

बारिश की भेंट चढ़ा नेपाल और श्रीलंका का मैच

लॉडरहिल।
नेपाल और श्रीलंका के बीच टी20 विश्व कप ग्रुप डी का मैच फ्लोरिडा में खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। बारिश की वजह से मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसके बाद दोनों टीमों को 1-1 अंक मिला।

अंक मिलने से दोनों ही टीमों का विश्व कप 2024 में खाता खुल गया है लेकिन श्रीलंका को इससे बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इस मुकाबले को जीतकर 2 अंक हासिल करना उसके लिए बेहद जरूरी था। मैच के रद्द होने के कारण ग्रुप-डी के समीकरण में भी सस्पेंस बढ़ गया है।

इस ग्रुप में उसके अलावा दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल की टीम शामिल है।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट अधिकारियों ने फ्लोरिडा के लॉडरहिल में भारी बारिश और बाढ़ की चेतावनी के बाद यह निर्णय लिया, जहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में उनका पहला मैच होना था।

मैच रद्द होने के कारण, श्रीलंका की सुपर आठ चरण में आगे बढ़ने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी हैं, जबकि नेपाल के क्वालीफिकेशन की संभावना भी कम हैं। फिलहाल टूर्नामेंट में दोनों टीमें अभी भी अपनी पहली जीत की तलाश में हैं।

वर्तमान में ग्रुप डी में शीर्ष पर चल रहे दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ में जगह पक्की कर ली है। तीन मैच खेलने के बाद से श्रीलंका के पास केवल एक अंक है, ऐसे में उनका सुपर-8 में पहुंचना आसान नहीं होने वाला।

श्रीलंका अपने अंतिम ग्रुप मैच में 17 जून को नीदरलैंड से भिड़ेगी। जबकि नेपाल को 15 जून को दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण है और यहां हारने का मतलब टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म होना है।

श्रीलंका को अगले चरण के लिए क्वालीफाई करना है तो उसे दुआ करनी होगी कि 13 जून को किंग्सटाउन में बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड मैच भी बारिश के कारण रद्द हो जाए। इसके बाद, उसे अपने अंतिम ग्रुप मैच में नीदरलैंड को हराना होगा। या यूं कह लीजिए टीम का आगे का सफर बाकी टीमों के मुकाबलों पर निर्भर करेगा।

दूसरी ओर, नेपाल तब भी क्वालीफाई कर सकता है, यदि वह अपने अंतिम दो मैचों में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत हासिल कर ले, या नीदरलैंड अपने शेष दोनों मैच हार जाए।

12 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज

2012 में सुपर ओवर में जीती थी वेस्टइंडीज, आंकड़ों में न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी

नई दिल्ली।
1 अक्टूबर 2012, टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज आमने-सामने थीं। वेस्टइंडीज ने सुपर ओवर में एक तरफा जीत रही न्यूजीलैंड को हराया और फिर आगे जाकर सीजन की चैंपियन बनी। यही दोनों टीमें अपने दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप मैच सुबह 6 बजे त्रिनिदाद में खेलेंगी। 12 साल पहले हुए उस मुकाबले में श्रीलंका के पल्लेकेले स्टेडियम पर वेस्टइंडीज दूसरे ओवर से ही विकेट गंवाती चली गई और 3 गेंद बाकी रहते 139 रन पर ही बिखर गई। डग ब्रेसवेल और टिम सऊदी 3-3 विकेट लेने में कामयाब रहे। जवाब में न्यूजीलैंड की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रॉब निकोल 3 रन पर ही चलते बने। सुनील नरेन की फिरकी के सामने चौथे नंबर पर आए रॉस टेलर ने

मैच की कमान संभाली और 62 रन की कप्तानी पारी खेली। आखिरी ओवर में 14 रन की दरकार थी। लेकिन, वेस्टइंडीज के मार्लन सैमुअल्स सेट बल्लेबाज टेलर के सामने गेंदबाजी करने आए। आखिरी बॉल पर चाहिए थे 2 रन, लेकिन डेरन स्मिथ ब्रेसवेल को रनआउट कर मैच सुपर ओवर में ले गए। सुपर ओवर में न्यूजीलैंड ने 18 रन का टारगेट दिया और एक बार फिर सैमुअल्स ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच जीता दिया। पिछली भिड़ंत: मैच वेस्ट इंडीज ने जीता, लेकिन सीरीज न्यूजीलैंड दोनों के बीच आखिरी मुकाबला 2022 में हुआ था। न्यूजीलैंड तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलने वेस्टइंडीज गई थी। किंग्सटन में हुए इस मुकाबले सीरीज के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 145 रन का टारगेट दिया था। जवाब में विंडीज के ब्रूक्स और ब्रैंडन किंग ने 102 रन की साझेदारी कर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की थी। हालांकि, सीरीज 2-1 से न्यूजीलैंड के नाम रही था। वेस्टइंडीज के पूरन टी-20 के टॉप स्कोरर केन विलियमसन- न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन एक्टिव खिलाड़ियों में टॉपस्कोरर हैं। उन्होंने 90 मैच में 2556 रन बनाए हैं। इस साल हुए तीन मुकाबलों में उन्होंने 92 रन बनाए हैं। लॉकी फर्ग्यूसन – तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने अफगानिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में मोहम्मद नबी का विकेट लिया था। वह अभी तक 39 मुकाबलों में 7.50 की इकोनॉमी से गेंदबाजी कर 55 विकेट झटके हैं। आंद्रे रसेल – वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने कुल 77 मुकाबलों में रन बनाए हैं। वहीं, गेंद से भी रसेल ने कुल 52 विकेट लिए हैं। अकील होसेन- अकील होसेन टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की ओर से 5 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने कुल 52 मुकाबलों में 7.50 की इकोनॉमी से गेंदबाजी कर 46 विकेट लिए हैं। इस मैच की अहमियत - ग्रुप सी में अफगानिस्तान बेहद शानदार प्रदर्शन कर रही है। न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला अफगानिस्तान से हार चुकी है और टेबल में आखिरी स्थान पर है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम अपने दोनों मुकाबले जीती है। ऐसे में रेस में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड इस मैच को जीतना चाहेगी। वहीं, मेजबान वेस्टइंडीज जीत के साथ अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेगी। तब भी रसेल और साउदी थे, अब भी हैं 12 साल पहले टी-20 वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज की ओर से आंद्र रसेल और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी टीम में थे। उस रोमांचक मुकाबले में आंद्रे रसेल के बल्ले से महज 6 रन आए थे। लेकिन, दिग्गज टिम साउदी ने सुनील नरेन, कप्तान डेरन सैमी और क्रिस गेल के विकेट लिए थे। अब इस बार भी दोनों खिलाड़ी आमने-सामने हो सकते हैं।

पॉसिबल प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड : केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, डेवोन कॉन्वे (विकेट कीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमन, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर, मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन।

वेस्टइंडीज : रोवमेन पॉवेल (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, ब्रैंडन किंग, रोस्टन चेज, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, गुडाकेश मोती।

लैवेंडर तेल और बर्न्स - क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती है, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

मोटापा कम करने के लिए मुद्राएं

मोटापा ऐसी समस्या है जो अपने साथ कई तरह की बीमारी लेकर आती है। समय रहते काबू पाना बहुत जरूरी है। मोटापा कम करने में योग बहुत कारगर होता है। योगासनों के जरिए आप आसानी से मोटापा कम कर सकते हैं। मोटापे को दूर करने के लिए पृथ्वी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है। और दूसरी मुद्रा है अपान वायु मुद्रा। इनका अभ्यास नियमित रूप से कम से कम 15 से 45 मिनट तक करेंगे, तभी इनका फायदा मिलेगा।

ये आदतें नष्ट कर देती हैं शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

आदतें ही होती हैं जो हमारे जीवन, सेहत और चरित्र आदि का निर्माण करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको एक आदर्ष जीवशैली और अच्छी आदतों का पालान करना होता है। जिसमें नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार आदि शामिल होते हैं। इस तरह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर रोगों से दूर रहता है। वहीं हमारी जीवनशैली से जुड़ी खराब आदतें हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं। लेकिन कुछ खराब आदतें ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता खतम हो जाती है।

अकसर जाने-अनजानें हमारी कई आदतें हमें कई रोगों की ओर ढ़केल देती हैं। इन आदतों के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता है और बीमारियों के बैक्टीरिया और वाइरस शरीर की प्रणाली पर हमला कर आसानी से उसे खराब करने लगते हैं। इसमें से कई आदतों के बारे में तो हमें पता ही नहीं चलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाली आदतें

- लगातार देर तक धूप में रहने से इम्यून पावर कमजोर हो सकती है। यूं तो सुबह की ताजी सूरज की रोशनी से शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन बहुत ज्यादा तेज धूप में रहने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और त्वचा कैंसर तक की समस्या हो सकती है।
- बहुत ज्यादा तनाव से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। तनाव होने पर शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है जिससे इम्यूनिटी तो कमजोर होती ही है, साथ ही पाचन क्रिया भी पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है।
- साफ-सफाई के प्रति लचर व्यवहार भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नाकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। शरीर का साफ-सफाई पर ध्यान ना देने से हानिकारक कीटाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे कई बीमारियों और इंफेक्शन हो जाते हैं। साथ ही बहुत ज्यादा शराब का सेवन या धूम्रपान भी शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है।
- जाने-अनजाने में ही सही लेकिन खाने की गलत आदतें और बदपरहेजी धीरे धीरे रोग प्रतिरोधक त्क्षमता को खत्म करती हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। एक ताजा शोध के अनुसार तो डिब्बाबंद और माइक्रोवेव में बनाए खाद्य को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेने से ये दिमाग व पाचन क्रिया को सीधे-सीधे प्रभावित करती है। और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इसलिए समय से सोएं और पूरी नींद लें। नियमित एक्सरसाइज करें और अच्छा भोजन करें। इस तरह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और रोग आपको छू भी नहीं पाएंगे।

खुशखबरी देने का सही समय है

बारहवां हफ्ता

गर्भावस्था का बारहवां हफ्ता यानी गर्भवती महिला दूसरी तिमाही में प्रवेश करने वाली है। अब गर्भपात का जोखिम न के बराबर है। यदि मां बनने वाली महिला दोस्तों और रिश्तेदारों को यह खुशखबरी नहीं दी है तो अब उन्हें यह खबर दे सकती हैं। दूसरी तिमाही में प्रवेश करने पर महिलाएं राहत महसूस करती हैं। अब उन्हें जल्द ही मां बनने का अहसास मन ही मन खुशी देता है। इस समय कुछ महिलाओं का बेबी बंप दिखाई देने लगता है, जब्कि कुछ का दिखाई भी नहीं देता। यदि गर्भवर्ती महिला के अंदर कोई शारीरिक बदलाव नहीं हो रहा तो परेशानी होने की काई बात नहीं है। आंतरिक परिवर्तन लगातार जारी हैं।

बच्चे का विकास

दूसरी तिमाही में प्रवेश कर लिया है, अब बच्चे के विकास में तेजी आएगी। मस्तिष्क हार्मोन का उत्पादन शुरू करेगा और तंत्रिका कोशिकाएं भी जल्द बढ़ेंगी। गर्भ में पल रहा शिशु तरल पदार्थ को चूसना और आहार को निगलना शुरू कर देगा। सब कुछ सही रहने पर शिशु की लंबाई और आकार में परिवर्तन होता रहेगा।

बच्चे की मुठ्ठी, खोलने और बंद करने की प्रक्रिया भी अब शुरू होने लगती है। समय समय पर बच्चे के होठ और भौंहे सिकुड़ने लगते हैं। आंखें और कान चेहने के अनुपात में विकसित होने शुरू हो जाता हैं। हफ्तों और महीनों का समय बीतने के साथ शिशु की बनावट में और भी बदलाव आने लगता है।

शरीर में परिवर्तन

गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह के दौरान बच्चे की स्थिति में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाश्य के आकार में भी परिवर्तन दिखाई देगा। अब मां का पेट पहले से बड़ा होना शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वजन में दो से तीन पाउंड की वृद्धि हो जाएगी। त्वचा के रंग में भी कुछ परिवर्तन होगा। यदि त्वचा पर दाग हैं तो ये गर्भावस्था के दौरान और गहरे हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में पेट के केंद्र से एक गहरे रंग का रेशा दिखाई देना शुरू हो सकता है, यह शिशु के जन्म के बाद गायब भी हो सकता है।

हर महिला के गर्भावस्था के दौरान अलग-अलग लक्षण होते हैं, इसलिए यदि किसी महिला के लक्षण किसी से भिन्न हैं तो चिंता की बात नहीं है। गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह में मां बनने वाली महिला के दिल में जलन भी अधिक हो सकती है। इसमें कमी लाने के लिए दिन भर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में आहार लें। चिकित्सक से ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी करें, जिनके सेवन से दिल में जलन न हो। यह समय मोलर गर्भावस्था का हो सकता है। इस समय नाल ठीक से विकसित नहीं होती। धब्बे या योनि से खून बहता दिखाई दे सकता है। इस तरह की परेशानी होने पर बिना किसी लापरवाही के चिकित्सक से परामर्श करें। इस तरह की परेशानी गर्भपात का कारण भी बन सकती है।

क्या उम्मीद की जाती है

दूसरी तिमाही में जाने पर गर्भपात का जोखिम काफी कम हो गया है। सुबह को होने वाली परेशानी, थकान और मितली जैसी दिक्कतें भी कम होंगी। पहले से अच्छा महसूस कर रही होगी। आपके हार्मोन बच्चे के विकास के साथ समायोजन कर रहे हैं और सब अच्छी तरह से चल रहा होना चाहिए। त्वचा सूर्य के प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बनी महसूस हो सकती है। इस समय त्वचा पर दाग या काले धब्बे बन सकते हैं। धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा। संतुलित आहार योजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं रखें। जो महिलाएं पहले गर्भवती रह चुकी हैं, उनसे बात करें और उनके अनुभवों को जानने की कोशिश करें। अपने और बच्चे के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए समय-समय पर चिकित्सक से मिलते रहें।

सुझाव / सलाह

सफलता पूर्वक पहली तिमाही पूरी कर ली है। अब दूसरी तिमाही की शुरूआत हो चुकी है। पहले के मुकाबले शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर रही हैं। यदि आने वाले दिनों में गर्भवर्ती महिला को यात्रा करने का विचार बन रहा है तो उसके लिए यह समय बेहतर है। सुबह को होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने वाली बधाईयां आपकी खुशी को दोगुना कर देंगी। अन्य महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान की बातों को सुनकर उनसे अपने अनुभवों की तुलना न करें। जरूरी नहीं कि हर महिला की गर्भावस्था के दौरान का अनुभव एक जैसा ही हो। यदि इस सबके बाद मन में अगर कोई प्रश्न है तो चिकित्सक से परामर्श करना अच्छा रहेगा।

गर्भावस्था के बारहवें हफ्ते में

- पहली तिमाही के मुकाबले गर्भवर्ती महिला को कम थकान और मितली भी कम आएगी। इस समय कोशिश करें कि तनाव न लें। इससे ऊर्जा स्तर में वृद्धि होगी।
- अब एरोबिक्स एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकती हैं। इसके लिए यह सही समय है।
- अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को शामिल करें, इससे मां और गर्भस्थ शिशु दोनों ही स्वस्थ रहेंगे।

कैंसर से लड़ने में मददगार हैं ये जादुई फूल

कैंसर रोग पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कैंसर के तेजी से बढ़ते मामले और जटिल इलाज के चलते लोगों के लिए यह रोग काफी डरावना बन चुका है। इसका बारे में बात करने से भी लोग घबराते हैं। शोध बताते हैं कि कैंसर दुनिया भर में हर साल हज़ारों मौतों का कारण बनता है। यह दरअसल शरीर में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि होती है, जो ऊतकों को मार देती हैं और अंततः शारीरिक प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। कैंसर मानव प्रणाली के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार में स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर व लिम्फोमा आदि शामिल होते हैं। लेकिन ऐसा भी माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक औषधियों की मदद से भी कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चलिए इस विषय के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं। जैसे कि माना जाता है कि डेंडलाइन का फूल कैंसर के उपचार में मददगार होता है।

कैंसर का इलाज: हालांकि कैंसर के कई प्रकारों का इलाज करना संभव होता है, लेकिन इस बीमारी के दोबारा होने का भी बड़ा जोखिम रहता है, जिसके चलते ये बीमारी और भी घातक हो जाती है। इस रोग के साथ इलाज के स्थायी होने की कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संगठनों और अनुसंधान केन्द्रों द्वारा कैंसर के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में हर साल लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहे हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के लिये दवाएं, कीमो थेरेपी तथा जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आदि कि मदद से कैंसर के उपचार और बचाव को प्रभावी बनाया जा सकता है। ऐसा भी माना जाता है कि कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए प्राकृतिक नुस्खों की मदद भी ली जा सकती है। डेंडलाइन का फूल जिसे कामफूल के नाम से भी जाना जाता है, के फूल के बारे में भी ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर से लड़ सकने वाले असाधारण औषधीय गुण होते हैं।

कैंसर से लड़ने की क्षमता: डेंडलाइन का फूल, खासतौर पर इसकी जड़ में असंख्य विटामिन और खनिज होते हैं, जोकि मानव प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। डेंडलाइन का फूल विटामिन डी, सी और बी, आयरन, सिलिकॉन, जिंक व पोटेशियम आदि पोषक तत्वों का शरीर में संचार करता है। इन सबके मनुष्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह फूल कोशिकाओं को पोषण देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके साथ - साथ डेंडलाइन कब्ज, गुर्दे और यकृत रोग, पीलिया, वायरल फ्लू, आदि को भी दूर कर सकता है। यह फूल नई बनी मां के दूध का उत्पादन भी कुशलता से बढ़ा सकता है। डेंडलाइन के फूल को एक उत्कृष्ट रक्त शोधक भी माना जाता है, जो कि चयापचय दर को ठीक बनाए रखने और रक्त विकारों को रोकने में मदद करता है। इस सभी स्वास्थ्य लाभों के साथ डेंडलाइन में कैंसर से लजडने की काबिलियत बी होती है।

विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है कि डेंडलाइन की जड़ में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकने वाले गुण होते हैं।

जानें पोकवीड केब हर्ब्स के गुणों के बारे में

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण

पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है।

लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम, ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों कको लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट बताओ।

महिलाओं के लिए पोकवीड

पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्सि्टशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें

परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाइ बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

अर्थराइटिस

पुराने दिनों से, रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टिंचर उपयोगी है। वैकल्पिक रूप से एक या दो सूखी बेरी लेकर उसे पूरा ही खा लें। बहुत कम मात्रा में टिंचर का इस्तेमाल सिर दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूती

पोकवीड में प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित रोगों के इलाज की क्षमता भी होती है, क्योंकि इसमें एंटी एड्स दवा के गुण और क्षमता होती है। यह प्रचुर मात्रा में टी-कोशिकाओं पर परस्पर प्रभाव डाल प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्वसन संक्रमण का इलाज

पोकवीड के काढ़े का सामान्यत गले में दर्द और टांसिलाइटिस, ग्रसनीशोथ, अपच जैसे श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, यह ग्रंथियों की सूजन और पुराने संक्रमण के इलाज में भी कारगर है।

कैंसर का इलाज

जल्द ही पोकवीड ने कैंसर का इलाज करने की क्षमता हासिल कर लोक्रिपयता प्राप्त कर ली है, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के लिए। शोधों से पता चला है कि कैंसर की प्राकृतिक चिकित्सा के लिए यह जड़ी-बूटी बहुत ही फायदेमंद है। पोक की जड़ एंटीटॉक्सिन थेरेपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कुछ प्रकार के ट्यूमर विकास में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रेसिपी

बटर गार्लिक फ्राइड राइस

सामग्री

दो कप पके हुए चावल, लहसुन की 6 कलियां बारीक कटी हुई, आधा कप हरा लहसुन बारीक कटा हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक बड़ी चम्मच फ्रेंच बींस बारीक कटी हुई, आधा कप पत्तागोभी बारीक कटी हुई, आधा कप फूलगोभी बारीक कटी हुई, एक गाजर छीलकर कद्दूकस कर लें, एक बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, दो बड़े चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक

विधि

गैस पर नॉन स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक फ्राई करें। अब पैन में फ्रेंच बींस, फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर और नमक डालकर मिक्स करें। अब पके चावल, लहसुन का पेस्ट और थोड़ा पानी छिड़ककर इन्हें मिलाएं। अब हरा लहसुन डालकर इसे मिक्स करें। फिर पैन को ढक दें और धीमी आंच पर इसे 3 से 4 मिनट तक पकाएं। गैस को बंद करे 2 मिनट बाद पैन का ढक्कन खोलकर चावल को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है बटर गार्लिक फ्राइड राइस। इन्हें प्लेट में निकालकर गर्मागर्म सर्व करें।

चिल्ली पनीर

सामग्री

पनीर - 300 ग्राम, ग्रीन कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), रैड कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), कार्न फ्लोर - 3-4 स्पून, टमाटो सास - 1/4 कप, तेल- 3 -4 चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच, सोया सास- 2 छोटी चम्मच, चिल्ली सास- 2 छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2-3 (छोटी काटी हुई), अदरक - 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस), नमक स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स -1/4 छोटी चम्मच, अजीनो मोटो-2 पिंच, पोदीना के पत्ते- 12

विधि

पनीर क्यूब्स को एक बाउल में रखें, उसमें डालें नमक, अदरक-लसहुन पेस्ट, मैदा, 1 छोटा चम्मच टोमाटो चिल्ली सॉस और अच्छे से मिलाएं। हरे प्याज को मोटा-मोटा काटें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। लाल मिर्चों के छोटे टुकड़े करके उनके बीज निकालें और पैन में डालें। फिर हरे प्याज डालकर भूने। पैन में शिमला मिर्चें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालकर कुछ देर पकाएं। 1 बड़ा चममच टोमाटो चिल्ली सॉस डालें और 2 मिनिट तक पकने दें फिर आंच बुझा दें। पनीर के क्यूब्स को पैन में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गारमागरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)